दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच, नई पहल

■ ग्वालियर ■ वर्ष : 2 ■ अंक : 04

ग्वालियर, गुरुवार 29 सितम्बर 2022

पृष्ठ 8 ■ मूल्य : 2 रु.

खास खबर

नौका हादसे में अब तक 68 शव बरामद, 20 अभी भी लापता

ढाका। उत्तरी बांग्लादेश में दो दिन पहले सदियों पुराने मंदिर के दर्शन के लिए हिंदू श्रद्धालुओं को लेकर जा रही एक नौका के पलटने में मरने वालों की संख्या 68 हो गई है। गौरतलब है कि रविवार को दुर्गा पूजा उत्सव की शुरुआत से पूर्व महालया के मौके पर हिंदू श्रद्धालु बोदेश्वरी मंदिर जा रहे थे, तभी देश के उत्तर-पश्चिमी पंचगढ़ जिले में कोरोटो नदी में उन्हें ले जा रही नौका पलट गई। अधिकारियों के मुता?बिक कम से कम 20 यात्री अब भी लापता हैं। एक अखबार की खबरों के मुताबिक स्थानीय प्राधिकारियों द्वारा तीसरे दिन बचाव के प्रयास तेज करने के बाद मंगलवार सुबह देबीगंज और बोडा उपजिला से 18 और शव बरामद किए गए। प्रत्यक्षदर्शियों का दावा है कि नाव में 150 से अधिक यात्री सवार थे। कुछ लोग तैरकर नदी के किनारे वापस चले गए लेकिन कई अभी भी लापता हैं। ढाका के एक स्थानीय अखबार ने जांच निकाय के प्रमुख के हवाले से कहा कि शुरुआती जांच के मुताबिक नाव में क्षमता से अधिक लोग सवार थे।

खाद की मांग में बेतहाशा कमी

नई दिल्ली। इस साल कई राज्यों में मानसून बहुत अच्छा रहा। इसके बाद भी कई राज्यों में अत्यधिक बारिश और कम बारिश के कारण खेती का रकबा घटा है। पिछले वर्ष की तुलना में इस बार खरीफ फसलों की बुवाई का रकबा 2 फ़ीसदी तक घट गया है। वहीं धान का रकबा 5 से 6 फ़ीसदी घटा है। खरीफ फसलों की बुवाई कम होने के कारण उर्वरकों का इस्तेमाल कम हुआ है। यूरिया की मांग कम है। डीएपी की बिक्री भी पूर्व वर्षों की तुलना में कम है। मूरिएट आफ पोटाश की कीमतें ज्यादा होने के कारण किसानों ने इसका उपयोग भी कम करना शुरू कर दिया है। एमओपी की बिक्री में 55 फ़ीसदी से ज्यादा की गिरावट आई है। एम ओ पी का 50 किलो वाला बैग 1700 रुपये में किसानों को मिल रहा है। जो महंगा होने के कारण किसान इसको नहीं खरीद रहे हैं।

पार्षद के भाई सहित दो की मौत

खाचरोद। खाचरोद बड़नगर रोड पर बड़ावदा फंटा से लुसडवन फंटा के बीच जीप और कार में जबरदस्त भिड़ंत हो गई।इस टक्कर में दो युवकों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। मंगलवार की शाम लगभग 7 बजे यह दुर्घटना हुई। मृतक की पहचान वार्ड क्रमांक 4 के पार्षद नासिर खान के बड़े भाई छंगा उर्फ़ अफजल पिता सादिक के रूप में हुई है। दूसरा मृतक उज्जैन निवासी उनका रिश्तेदार शादाब है। बड़नगर की ओर से आ रही जीप क्रमांक एमपी 13 बीए 3856 ने सामने से टक्कर मार दी। जिसके कारण कार के परखच्चे उड़ गए। कार का एयर बैग भी फट गया। हादसे के बाद ग्रामीणों ने कार से दोनों युवकों को बाहर निकाला। अफजल की मौत घटनास्थल पर ही हो चुकी थी। शादाब ने खाचरोद सिविल अस्पताल में दम तोड़ दिया। टक्कर के बाद जीप का ड्राइवर घटनास्थल से फरार हो गया।

टीकमगढ़ जिले के 30586 किसानों की जमीन बंधक

टीकमगढ़। जिला सहकारी बैंक टीकमगढ़ का 45000 किसानों पर 155 करोड़ रुपए बकाया है। जिला सहकारी बैंक ने 45000 किसानों की जमीनों को दृष्टि बंधक श्रेणी में लाया जा रहा है। इस श्रेणी में आने के बाद जिन किसानों द्वारा पुराने लोन का भुगतान नहीं किया गया है। उन किसानों को जमीन बेचने या अन्य बैंकों से ऋण लेने की पात्रता नहीं होगी। जिला सहकारी बैंक ने अभी तक 30586 किसानों की जमीन दृष्टि बंधक कर चुकी है। शेष किसानों की जमीन पर भी कार्रवाई शुरू कर दी है। जिला सहकारी बैंक समितियों के माध्यम से किसानों के कर्ज का ब्यौरा लेकर पटवारी के माध्यम से पोर्टल पर डाला जा रहा है। पोर्टल में आने के बाद जमीन दृष्टि बंधक हो जाती है। इसके बाद किसानों को कहीं से भी ऋण उपलब्ध नहीं होगा। ऋण वसूल करने के लिए कलेक्टर राजस्व अधिकारियों के माध्यम से भी ऋण की वसूली करा सकेंगे। जिला सहकारी बैंक की इस कार्यवाही से टीकमगढ़ के किसानों में भारी रोष फैल गया है।

दुकानदार ने मांगी इच्छा मृत्यु

अशोकनगर। अशोक नगर परिषद ने प्रधानमंत्री योजना से 10000 रुपए का लोन दिलाया था। लोन लेकर जो गुमटी पुरुषोत्तम ने खोली थी। उस गुमटी को नगर परिषद ने अतिक्रमण मानकर उठाकर ले गई। मुंगावली के काजी मोहल्ले के पुरसोतम प्रजापति ने कलेक्टर कार्यालय की जनसुनवाई में शिकायत की है। उसने शिकायत में कहा है,गुमटी नगर पालिका द्वारा उठा लिए जाने के कारण अब उसका लोन चुकाना और घर चलाना दोनों ही मुश्किल हो गया है। ऐसी स्थिति में उसे या तो इच्छा मृत्यु दी जाए या गुमटी लौटाई जाए।

केंद्र ने मुफ्त राशन की स्कीम 3 महीने के लिए फिर बढ़ाई, केंद्रीय कर्मचारियों को भी दिवाली गिफ्ट

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने देश के गरीब वर्ग को बड़ी राहत देते हुए मुफ्त राशन देने की स्कीम को तीन महीने और बढ़ाने का फैसला लिया है। यह स्कीम 30 सितंबर को समाप्त होने वाली थी। इससे पहले सरकार ने स्कीम को तीन महीने यानि इस साल के अंत तक और बढ़ा दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट मीटिंग में यह फैसला लिया गया। इसके अलावा केंद्रीय कर्मचारियों को भी सरकार ने बड़ा तोहफा दिया है। केंद्रीय कर्मचारियों के डीए में भी 4 फीसदी का इजाफा कर दिया गया है।

अब इस साल के अंत कर मिलेगा मुफ्त राशन

अगले तीन महीनों में गुजरात और हिमाचल में चुनाव होने वाले हैं। ऐसे में स्कीम को तीन महीने के लिए बढ़ाने के फैसले को इससे भी जोड़कर देखा जा रहा है। कोरोना काल में केंद्र सरकार की ओर पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना के नाम से इस स्कीम का ऐलान किया गया था। इसके तहत हर महीने प्रति व्यक्ति 5 किलो मुफ्त राशन दिया जाता है। वित्त मंत्रालय के मुताबिक तीन महीने तक मुफ्त राशन की स्कीम को आगे बढ़ाने से खजाने पर 45,000 करोड़ रुपए का बोझ पड़ेगा। सरकारी सूत्रों का कहना है कि केंद्र सरकार ने अपने पास जमा खाद्यान्न के स्टॉक की समीक्षा करने के बाद यह फैसला लिया है। फिलहाल सरकार के पास बड़े पैमाने पर खाद्यान्न उपलब्ध है।

अयोध्या से लेकर रामेश्वरम तक, राम भारत के कण-कण में समाये हुये हैं: प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को अयोध्या में भव्य राम मंदिर के निर्माण को अपनी ''विरासत पर गर्व'' की पुनर्प्रतिष्ठा और विकास का ''नया अध्याय'' बताया और कहा कि जिस तेज गति से यह काम हो रहा है वह पूरे देश को रोमांचित करने वाला है। अयोध्या में सरयू नदी के नजदीक स्थित लता मंगेशकर की 93वीं जयंती के अवसर पर उनके नाम पर एक चौक के लोकार्पण के अवसर पर प्रसारित अपने वीडियो संदेश में प्रधानमंत्री ने कहा कि अयोध्या से लेकर रामेश्वरम तक, राम भारत के कण-कण में समाये हुये हैं। पीएम ने कहा कि लता दीदी के नाम पर बना चौक, हमारे देश में कला जगत से जुड़े लोगों के लिए भी प्रेरणा स्थली की तरह कार्य करेगा। ये बताएगा कि भारत की जड़ों से जुड़े रहकर, आधुनिकता की ओर बढ़ते हुए, भारत की कला और संस्कृति को विश्व के कोने-कोने तक पहुंचाना, ये भी हमारा कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि अयोध्या के भव्य मंदिर में श्रीराम आने वाले हैं। उससे पहले करोड़ों लोगों में राम नाम की प्राण प्रतिष्ठा करने वाली लता दीदी का नाम, अयोध्या शहर के साथ हमेशा के लिए स्थापित हो गया है। पीएम मोदी ने कहा कि लता जी, मां सरस्वती की एक ऐसी साधिका थीं, जिन्होंने विश्व को अपने दिव्य स्वरों से अभिभूत कर दिया।लता दीदी से जुड़ी मेरी कितनी ही यादें हैं, कितनी ही भावुक और स्नेहिल स्मृतियाँ हैं।

पीएफआई को बैन करना ठीक, आरएसएस पर भी लगाया जाए प्रतिबंध: लालू प्रसाद

पटना। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के मुखिया लालू प्रसाद यादव ने पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) पर बैन का स्वागत किया है, साथ ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को भी बैन करने की मांग की। लालू ने कहा कि संघ

को आपातकाल में भी बैन किया गया था। लालू ने बिना नाम लिए भाजपा पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि 2024 में विपक्ष भाजपा को धूल चटाएगा। लालू प्रसाद ने कहा कि पीएफआई जैसे संगठनों पर भी बैन लगाना चाहिए। मुस्लिम संगठनों को निशाना बनाया जा रहा है। लालू प्रसाद ने कहा कि भ्रष्टाचार का बोलबाला है। देश में अक्लियत लोगों को हिंदू-मुस्लिम करके ये देश को तोड़ना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि मैंने पहले भी बोला था कि देश रहेगा या टूटेगा। हर बात में हिंदू-मुस्लिम मस्जिदों पर चढ़कर झंडा फहराना, भगवा ध्वज फहराना ये बहुत गंदी बात है। लालू यादव ने कहा कि ये लोग हनुमान जी की पाठ कर रहे हैं मस्जिदों के सामने, ये क्या बताता है, यह बताता है कि ये लोग सांप्रदायिकता फैलाकर, देश में दंगा फसाद करके शासन में बने रहना चाहते हैं। अब इनके दिन लद गए हैं।

महाराष्ट्र: फैक्ट्री में बॉयलर फटने से तीन मजदूरों की मौत, 8 घायल

मुंबई। महाराष्ट्र के पालघर जिले के वसईमें स्थित एक फैक्ट्री में बॉयलर फटने से तीन मजदूरों की मौत हो गई, जबकि 8 अन्य घायल हो गए। जानकारी के मुताबिक, फैक्ट्री में करीब 50 लोग काम कर रहे

थे, तभी वहां एक हाइड्रोजन गैस सिलेंडर में यह धमाका हुआ। यह धमाका इतना जोरदार था कि इसकी आवाज एक किलोमीटर दूर तक सुनाई दी। इस आवाज से इलाके के लोग दहशत में आ गए. शुरुआत में लोगों को लगा कि कहीं बड़ा बम धमाका तो नहीं हुआ। हालांकि फिर बताया गया कि आग लगी है, जिसके बाद पता चला कि कंपनी में एक बॉयलर फट गया था। इस विस्फोट के बाद आसमान में धुएं के बड़े गुबार उठते देखे जा सकते थे. विस्फोट के तुरंत बाद पुलिस और दमकल को घटना की सूचना दी गई, जो तुरंत मौके पर पहुंचकर राहत और बचाव कार्य में जुट गई। उन्होंने घायल मजदूरों को अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उनका इलाज चल रहा है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और विस्फोट के सही कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। जिला आपदा प्रबंधन सेल के एक अधिकारी ने बताया कि यह घटना दोपहर करीब तीन बजे चंद्रपाड़ा क्षेत्र स्थित विद्युत उपकरण बनाने वाली कंपनी में हुई।

225 किमी प्रति घंटे की तूफानी गति से फ्लोरिडा की ओर बढ़ा चक्रवाती तूफान इयान

फ्लोरिडा। चक्रवात'इयान' ने मूसलाधार बारिश और तेज रफ्तार हवाओं के साथ क्यूबा के पश्चिम तट पर दस्तक दे दी है। चक्रवात के मद्देनजर सरकार ने समुद्र तटीय इलाकों से 50 हजार से अधिक लोगों को निकाल कर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया है। चक्रवात तेज गति से उत्तर की ओर बढ़ रहा है और माना जा रहा है कि बुधवार को यह किसी भी समय मैक्सिको खाड़ी को पार करते हुए अमेरिकी राज्य फ्लोरिडा के तट पर टक्कर दे सकता है। इयान श्रेणी-3 का चक्रवात है। उल्लेखनीय है कि श्रेणी-3 का चक्रवात उसे कहते हैं, जिसमें हवाओं की गति कम से कम 178 किलोमीटर प्रति घंटा होती है। यूएसएनएचसी ने बताया कि यह चक्रवात हर दिन प्रचंड रूप ले रहा है। मौसम विभाग के वैज्ञानिकों का अनुमान है कि जब यह चक्रवात फ्लोरिडा के तट पर पहुंचेगा तब तक यह श्रेणी-4 के चक्रवात में बदल चुका होगा। यूएस नेशनल हरिकेन सेंटर (यूएसएनएचसी) ने कहा कि स्थानीय समयानुसार सुबह साढ़े चार बजे इयान ने क्यूबा के तट पर दस्तक दी। क्यूबा की सरकार ने इयान के पहुंचने से पहले ही मुख्य तंबाकू क्षेत्र पिनार डेल रियो प्रांत से 50 हजार से अधिक लोगों को हटा कर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा दिया। सरकार ने इस द्वीपीय देश में 55 आश्रय स्थल तैयार किये हैं। यूएसएनएचसी ने कहा कि क्यूबा के पश्चिम तट पर इयान के कारण 14 फुट ऊंची लहरें उठ रही हैं।

बस और ट्रक में भिड़ंत: 8 लोगों की मौत, दो दर्जन से अधिक लोग घायल

लखीमपुर खीरी। उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी में बुधवार सुबह-सुबह हुए एक भीषण सड़क हादसे में 8 लोगों की मौत हो गई, जबकि 25 से अधिक लोग घायल हो गए हैं। यह दुर्घटना उस समय हुई, जब ईशा नगर थाने के खमरिया पुल के पास धोरहरा से लखनऊ जा रही एक प्राइवेट बस और एक ट्रक के बीच आमने-सामने से भिडंत हो गई। हादसे में 6 लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि दो लोगों ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया।

पुलिस ने बताया कि हादसे में घायल करीब 25 यात्रियों को गंभीर हालत में उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायलों में कई लोगों की हालत गंभीर है, आशंका जताई जा रही है कि मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। अब तक मिली जानकारी के अनुसार बस में 35-40 लोग सवार थे। जिस समय दुर्घटना हुई उस समय बस की रफ्तार बहुत तेज थी। एडीएम संजय कुमार ने बताया कि हादसे में आठ लोगों की मौत हुई है, जबकि 25 यात्री घायल हुए हैं। घायलों में जिन लोगों की हालत गंभीर पाई गई है, उन्हें इलाज के लिए लखनऊ ले जाया गया है। उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनपद लखीमपुर खीरी में सड़क हादसे में हुई जनहानि पर गहरा दुख प्रकट किया है। मुख्यमंत्री ने दिवंगत आत्मा की शांति की कामना करते हुए शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की। साथ ही मुख्यमंत्री ने घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाकर जिला प्रशासन के अधिकारियों को उनके समुचित उपचार के निर्देश दिए हैं। उन्होंने घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है। इसके साथ ही जिलाधिकारी और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों को मौके पर जाकर राहत कार्य को युद्धस्तर पर कराने के निर्देश दिए हैं।

प्रियंका की एंट्री से राजस्थान की सियासत में नया मोड़

नई दिल्ली। राजस्थान में जारी सियासी बवाल में अब नया मोड़ आ गया है। इस बवाल में कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी की भी एंट्री हो गई है। वह सोमवार को ही इस मामले पार्टी सुप्रीमो सोनिया गांधी से मिल चुकी है। उनकी मुलाकात से राजस्थान की राजनीति में कयासबाजी का दौर शुरू हो गया है। इसकी बड़ी वजह यह भी है कि सचिन पायलट ने जब अपने समर्थक विधायकों के साथ गुरुग्राम के मानेसर में डेरा जमाया था, प्रियंका गांधी ने ही उन्हें वापस लौटने के लिए राजी किया था। उस समय प्रियंका ने उन्हें भरोसा भी दिया था कि उनकी यह वापसी पूरे सम्मान के साथ होगी। बावजूद इसके सचिन को उस समय मुख्यमंत्री नहीं बनाया गया। अब चूंकि राजस्थान में पार्टी और सरकार के नेतृत्व को लेकर बवाल चल ही रहा है, ऐसे में अब

यह सवाल उठने लगा है कि क्या यही मौका है जो पायलट को उनका खोया सम्मान वापस दिलाएगा? उधर, पायलट अपनी ओर से आलाकमान को भरोसा दे चुके हैं कि यदि उन्हें मुख्यमंत्री बनाया जाता है तो जरूरी नंबर के इंतजाम की जिम्मेदारी उनकी होगी। हालांकि अभी भी मुख्यमंत्री अशोक गहलोत किसी हाल में पायलट को राजस्थान की कमान देने के पक्ष में नहीं है। भले ही वह गांधी परिवार के वफादार माने जाते हैं। लेकिन अब उन्होंने अप्रत्यक्ष रूप से आलाकमान की नाफरमानी करते हुए चुनौती दे दी है। बल्कि बीते कुछ समय के घटनाक्रम को देखने पर पता चलता है कि उनके लिए राजस्थान में आलाकमान की कोई अहमियत ही नहीं रही। आलाकमान माने गांधी परिवार को भी इसका एहसास हो गया है। इसलिए अब पूरी सख्ती के मूड में है। खासतौर पर दिल्ली से पर्यवेक्षक बनाकर भेजे गए अजय माकन और मल्लिकार्जुन खड़के की बैठक में गहलोत समर्थक विधायकों के हाजिर नहीं होने को आलाकमान ने गंभीरता से लिया है। इस मामले में तीन विधायकों को नोटिस भी जारी किया जा चुका है। गहलोत के खिलाफ पिछले दिनों पायलट ने बगावत कर दी थी। वह अपने समर्थक विधायकों को साथ लेकर मानेसर के रिजॉर्ट में पहुंच गए थे।

सलमान बने सऊदी अरब के नए प्रधानमंत्री, छोटे भाई को रक्षा मंत्रालय

शाही हुक्मनामे में किंग सलमान ने कई नए पदों की घोषणा की

रियाद। अरब जगत के प्रमुख नेता सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान अब देश के नए प्रधानमंत्री कहलाएंगे। सऊदी अरब के राजा सलमान बिन अब्दुल अजीज ने अपने बेटे और उत्तराधिकारी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान को किंगडम का नया प्रधानमंत्री और अपने दूसरे बेटे प्रिंस खालिद को रक्षा मंत्री घोषित किया है। हाल ही में एक शाही आदेश में इसकी जानकारी मिली है। इस फेरबदल में सऊदी किंग के एक और बेटे प्रिंस अब्दुल अजीज बिन सलमान भी शामिल हैं

जिन्हें देश का ऊर्जा मंत्री बनाया गया है। सरकारी न्यूज एजेंसी के मुताबिक शाही हुक्मनामे में किंग सलमान ने कई नए पदों की घोषणा की है। खबर के अनुसार विदेश मंत्री प्रिंस फैसल बिन फरहान अल सऊद, वित्त मंत्री मोहम्मद अल-जदान और निवेश मंत्री खालिद अल-फलीह अपने पदों पर बने रहेंगे। एमबीएस (मोहम्मद बिन सलमान) को रक्षा मंत्री से पदोन्नति देकर प्रधानमंत्री बनाया गया है। वह सऊदी अरब के वास्तविक शासक हैं और उन्हें खाड़ी देशों के सबसे बड़े नेता के रूप में देखा जाता है। दुनिया का सबसे बड़ा तेल निर्यातक सऊदी अरब मिडिल ईस्ट में अमेरिका का प्रमुख सहयोगी है। एक सऊदी अधिकारी ने बताया कि प्रधानमंत्री के रूप में एमबीएस की नई भूमिका में विदेशी दौरों में सऊदी अरब का प्रतिनिधित्व करना और देश की तरफ से आयोजिन होने वाले सम्मेलनों की अध्यक्षता करना शामिल होगा। एमबीएस के छोटे भाई और पूर्व उप रक्षा मंत्री प्रिंस खालिद बिन सलमान को अब देश का रक्षा मंत्री बनाया गया है।

1 साल बाद पूर्व मुख्यमंत्री का खुलासा, रात को आदेश मिला और सुबह इस्तीफा दे दिया

अहमदाबाद। गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने एक साल बाद अपने इस्तीफे को लेकर खुलासा किया है उन्होंने कहा कि पार्टी हाईकमांड ने रात को आदेश दिया और दूसरे दिन बगैर कोई कारण पूछे हंसते हुए मुख्यमंत्री पद से अपना इस्तीफा दे दिया बता दें कि 11 सितंबर 2021 को विजय रूपाणी ने गुजरात के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था विजय रूपाणी के इस्तीफे के बाद आनंदीबेन पटेल के करीबी भूपेन्द्र पटेल ने गुजरात के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी घटना के एक साल बाद विजय रूपाणी ने इस्तीफा देने की वजह बताई7 रूपाणी ने कहा कि 10 सितंबर की रात उन्हें पार्टी हाईकमांड का इस्तीफा देने के लिए आदेश मिला और 11 सितंबर को मैंने बगैर कोई सवाल किए हंसते हुए अपने पद से त्यागपत्र दे दिया उन्होंने कहा कि इसके लिए मैंने ना तो पार्टी हाईकमांड से सवाल किया और ना ही उनकी ओर से कुछ बताया गया मैं पार्टी का अनुशासित कार्यकर्ता रहा हूं और हमेशा वही किया है जो पार्टी ने आदेश दिया है पार्टी हाईकमांड ने

मुझे मुख्यमंत्री बनने के आदेश दिया और मैं बन गया जब पार्टी ने आदेश दे दिया कि मुख्यमंत्री पद छोड़ तो मैंने बिना कोई सवाल किए हंसते हुए इस्तीफा दे दिया गौरतलब है मुख्यमंत्री पद से हटाने के एक साल बाद भाजपा ने विजय रूपाणी को पंजाब का प्रभारी बनाया है और वे इसे राष्ट्रीय राजनीति में अपनी उन्नति के तौर पर देख रहे हैं इस संदर्भ में रूपाणी ने खुद को भाग्यशाली बताया और कहा कि पहले शहरी और बाद में क्षेत्रीय स्तर पर मुझे काम सौंपा गया बाद में चार साल तक प्रदेश महासचिव के तौर पर जिम्मेदारी सौंपी गई और बाद में बतौर मुख्यमंत्री गुजरात की सेवा करने का अवसर मुझे दिया गया अब मुझे राष्ट्रीय स्तर पर एक नई जिम्मेदारी सौंपी गई है, जिसे पूरी निष्ठा के साथ निभाने को कटिबद्ध हूं विजय रूपाणी ने कहा कि गुजरात विधानसभा के आगामी चुनाव में भाजपा को दो तिहाई बहुमत से जिताने के लिए पूरी ताकत लगा देंगे साथ ही अगले 5 साल में पंजाब में भाजपा को मजबूत विपक्ष बनाने और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और लोकप्रियता को बढ़ाकर 2027 में पंजाब की सत्ता हासिल करने का पूरा प्रयास करेंगे।

न्यूज़ ट्रैक....

वेड बन सकते हैं टी20 विश्व कप के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम के कप्तान

मेलबर्न। क्रिकेट आस्ट्रेलिया (सीए) विकेटकीपर बल्लेबाज मैथ्यू वेड को अगले माह होने वाले टी20 विश्व कप के लिए अपनी टीम का कप्तान बना सकता है। सीए के अनुसार अगर नियमित कप्तान एरॉन फिंच चोटिल होते हैं यह उनका खराब फॉर्म होता है तो वेड को कप्तान की जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है। वहीं एक रिपोर्ट में कहा गया है कि अभी में वेड सीए की अनुबंधित सूची में शामिल नहीं हैं। वेड का नाम ऐसे समय में आया है जब एक और अनुभवी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर के भी कप्तानी के दावेदार होने की बातें कहीं गयी हैं। फिंच ने हाल ही में एकदिवसीय टीम की कप्तानी से इस्तीफा दे दिया था। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि एकदिवसीय कप्तानी के लिए वेड बेहतर उम्मीदवार साबित होंगे। इस रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि वेड को भारत के खिलाफ हाल ही में समाप्त हुई सीरीज सहित 12 टी20 के लिए केवल 350,000 ऑस्ट्रेलियाई डॉलर मिलेंगे। वेड ने भारत के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज में 1-2 की हार के बाद भी कहा था कि उनकी टीम अपनी धरती पर होने वाले टी20 विश्वकप में पूरे आत्मविश्वास के साथ उतरेगी।

पाक झंडे को पैर से उठाते दिखे रिजवान, भड़के प्रशंसक

कराची। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के विकेटकीपर-बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान अपनी शानदार बल्लेबाजी के बाद अब तक प्रशंसकों के चहेते बने हुए थे पर एक गलती के कारण वह खलनायक बन गये हैं। इसका कारण यह है कि इंग्लैंड के खिलाफ हुए मैच के बाद रिजवान पाक झंडे को पैरों से उठाते हुए दिखे। यह झंडा उनकी ओर किसी प्रशंसक ने उछाला था। इस घटना के बाद से ही प्रशंसकों ने रिजवान को आड़े हाथों लिया है। रिजवान मैच के बाद प्रशंसकों को ऑटोग्राफ दे रहे थे तभी यह घटना हुई। उनका एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वह देश के राष्ट्रीय झंडे को पैर से उठाते दिख रहे हैं। इसके बाद पा प्रशंसकों का पारा चढ़ गया। इसके बाद भड़के कई प्रशंसकों ने रिजवान की तुलना जानवर से कर दी। इस वीडियो में यह बल्लेबाज अपने प्रशंसकों को टी-शर्ट, टोपी और राष्ट्रीय ध्वज पर ऑटोग्राफ दे रहा था। पर वीडियों के अंत में रिजवान अपने पैरों से राष्ट्रीय ध्वज उठाते हुए देखे गये। इसके बाद से ही वह लोगों की नाराजगी का कारण बन गये। यहा मामला पाक और इंग्लैंड के बीच यहां हुए चौथे टी20 के बाद का है। इस सीरीज में दोनो ही टीमें 2-2 मैच जीत कर बराबरी पर आ गयी हैं।

जयवर्धने और जहीर को मुंबई इंडियंस में अहम पद मिले

नई दिल्ली। श्रीलंकाई क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेला जयवर्धने और भारतीय टीम के पूर्व तेज गेंदबाज जहीर खान अब मुंबई इंडियंस की ओर से अहम भूमिका निभाएंगे। मुंबई के पास अब आईपीएल के अलावा दो अन्य टीमें एमआई केप टाउन और एमआई अमीरात भी हैं। ऐसे में फ्रेंचाइजी ने जयवर्धने को ग्लोबल हेड ऑफ परफॉर्मेंस और जहीर को ग्लोबल हेड ऑफ क्रिकेट डेवलपमेंट के पद पर नियुक्त किया है। रो के पास अब नई भूमिका में खिलाड़ियों के विकास की जिम्मेदारी होगी। इसके अलावा युवा खिलाड़ियों की प्रतिभा को भी परखने का अवसर रहेगा। जहीर अन्य दोनों टीमों के लिए भी यही भूमिका अदा करेंगे। वहीं जयवर्धने के पास रणनीति से लेकर हाई परफॉर्मेंस इको-सिस्टम बनाने तक की जिम्मेदारी रहेगी। इसके अलावा वह तीनों टीमों के मुख्य कोचों को दिशा निर्देश भी देंगे। इसके साथ ही जरूरत पड़ने पर वह टीम के साथ अपना अनुभव भी साझा करेंगे।

बीसीसीआई ने इंग्लैंड में भारत-पाकिस्तान टेस्ट सीरीज का प्रस्ताव खारिज किया

ईसीबी ने की थी पेशकश

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने भारत-पाकिस्तान क्रिकेट सीरीज इंग्लैंड में आयोजित करने के इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के प्रस्ताव को ठुकरा दिया है। दोनो देशों के बीच तनाव के कारण पिछले 15 सालों से एक भी टेस्ट मैच नहीं खेला जा सका है। आईसीसी टूर्नामेंटों में ही इन दोनो देशों के बीच मुकाबले होते हैं।

साल 2008 में मुंबई में हुए आतंकी हमले के पीछे पाकिस्तान को हाथ होने की बातें सामने आने के बाद दोनो देशों के बीच संबंध और खराब हुए हैं। इसी कारण भारत ने पाक से द्विपक्षीय टेस्ट सीरीज खेलने से इंकार कर दिया था। वहीं अब ईसीबी ने दोनो के बीच द्विपक्षीय टेस्ट सीरीज की मेजबानी करने की औपचारिक पेशकश की है पर बीसीसीआई ने कहा है कि इस प्रकार की कोई सीरीज अभी संभव नहीं है। ईसीबी के उपाध्यक्ष मार्टिन डालों ने टी-20 सीरीज के दौरान पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के साथ बातचीत की और भविष्य में तीन टेस्ट मैचों की सीरीज इंग्लैंड के मैदानों पर आयोजित करने की पेशकश की।

वहीं ईसीबी की इस पेशकश पर बीसीसीआई ने इस पर कहा कि अगले कुछ वर्षों में दोनों देशों के बीच मैच कराए जाने की कोई संभावना नहीं है। बीसीसीआई के एक अधिकारी ने कहा कि पाक के खिलाफ सीरीज का फैसला बीसीसीआई नहीं बल्कि केन्द्र सरकार करेगी। इसमें अभी यथास्थिति बनी हुई है। इसलिए हम पाक के खिलाफ केवल बहुराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में ही उतरेंगे।'' भारत और पाकिस्तान ने आखिरी बार द्विपक्षीय सीरीज साल 2012 में भारत में खेली थी. यह सीमित ओवरों की सीरीज थी जबकि दोनों देशों के बीच अंतिम बार टेस्ट श्रृंखला साल 2007 में खेली गई थी।

शमी प्रशंसकों से बोले, नहीं जानता कब कोविड रिपोर्ट निगेटिक आयेगी

नई दिल्ली। टीम इंडिया के अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी अभी तक कोरोना संक्रमण से नहीं उबर पाये हैं। इस कारण शमी दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज से भी बाहर हैं। इसी कारण उन्हें अगले माह होने वाले टी20 विश्व कप के लिए भी स्टैंडबाय खिलाड़ियों में ही जगह मिली है। शमी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज शुरू होने से पहले ही पॉजिटिव पाये थे। इसी के बाद से ही वह टीम से बाहर हैं। उनकी जगह अनुभवी उमेश यादव को टीम में शामिल किया गया है। शमी के दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज से पहले ठीक होने की उम्मीद थी थे पर ऐसा नहीं हो पाया। अब शमी ने इंस्टाग्राम पर एक मजेदार वीडियो शेयर कर बताया है कि वह कब तक ठीक होंगे। इस वीडियो में शमी लेटे हुए नजर आ रहे हैं। वहीं वीडियो में लोग पूछते हैं कि रिपोर्ट कब नेगेटिव होगी। तब शमी कहते हैं कि मुझे क्या पता। मैं नहीं जानता। शमी का यह वीडियो काफी मजेदार है जिसका प्रशंसकों ने काफी पसंद किया है। शमी को काफी समय बाहर रहने के बाद ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए शामिल किया था। उन्होंने अंतिम बार संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में पिछले साल टी20 विश्व कप 2021 में खेला था। तब उन्होंने पांच मैचों में 140 रन देकर छह विकेट लिए थे।

बीडब्ल्यूएफ रैंकिंग में सिंधु छठे और लक्ष्य नौवें स्थान पर बरकरार

प्रणय शीर्ष 15 में पहुंचे

नई दिल्ली। भारत की महिला बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु विश्व बैडमिंटन महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) रैंकिंग में शीर्ष दस में बनी हुई हैं। सिंधु ने फिट नहीं होने के कारण जापान ओपन और विश्व चैम्पियनशिप में भाग नहीं लिया था। इसके बाद भी वह छठे स्थान पर बनी हुई हैं। महिला वर्ग में ही अनुभवी खिलाड़ी साइना नेहवाल एक स्थान ऊपर आकर 31वें स्थान पर पहुंच गयी हैं। वहीं पुरुष वर्ग में एच एस प्रणय को भी विश्व चैंपियनशिप और जापान ओपन में अच्छे प्रदर्शन का लाभ मिला है और वह एक पायदान ऊपर आकर शीर्ष 15 में पहुंच गये हैं। वहीं युवा खिलाड़ी लक्ष्य सेन नौवें स्थान पर बने हुए हैं। किदांबी श्रीकांत को भी एक स्थान का लाभ हुआ है और वह 11वें स्थान पर पहुंच गए हैं। दूसरी ओर पुरुष युगल वर्ग में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी पहले की तरह आठवें स्थान पर बनी हुई है।

न्यूजर्सी में अर्जेंटीना के फारवर्ड लियोनन मेसी जमेका के खिलाफ गोल करने के बाद उत्साहित नजर आये।

गेल गुजरात जायंट्स की ओर से खेलने के लिए भारत पहुंचे

मुम्बई। वेस्टइंडीज के विस्फोटक बल्लेबाज क्रिस गेल लीजेंड्स लीग क्रिकेट मैच में गुजरात जायंट्स की ओर से खेलने के लिए भारत पहुंचे हैं। यह मैच कटक के बाराबती स्टेडियम में खेला जाएगा। अब गुजरात टीम के पास दो आक्रामक बल्लेबाज हो गये हैं। टीम के पास एक अन्य आक्रामक सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग हैं। ऐसे में अब प्रशंसकों को बड़े शॉट देखने को मिलेंगे। देश में पहली बार हो रहे लीजेंड्स लीग क्रिकेट में विश्व भर के दिग्गज क्रिकेटरों के शामिल होने से प्रशंसकों का भी अच्छा-खास मनोरंजन हो रहा है। सहवाग की कप्तानी वाली गुजरात जायंट्स ने अभी तक चार मैचों में पांच अंकों के साथ ही तालिका में दूसरा स्थान हासिल किया है। अब उसके पास इरफान पठान की एलएनजे भीलवाड़ा किंग्स को हराकर नंबर-1 स्थान पर पहुंचने का अवसर है। गेल के आने से उसकी संभावनाएं बढ़ी हैं क्योंकि वह किसी भी गेंदबाजी आक्रमण को बिखेर देते हैं। विशेषकर टी20 में वह खासे सफल रहे है हालांकि इस बल्लेबाज ने एकदिवसीय और टेस्ट मैचों में भी अपनी तूफानी बल्लेबाजी से एक अलग ही स्थान हासिल किया है। खेल के तीनो प्रारूपों में उनके नाम कई रिकार्ड हैं। गेल ने वेस्टइंडीज की ओर से 301 एकदिवसीय, 103 टेस्ट और 79 टी-20 मुकाबले खेलते हुए 10480, 7215 और 1899 रन बनाए हैं।

बचे हुए मैचों में भी बटलर के बिना ही उतरेगी इंग्लैंड

लंदन। इंग्लैंड को पाकिस्तान के खिलाफ 5वें टी20 मुकाबले में भी कप्तान जॉस बटलर के बिना ही उतरना होगा। इसके अलावा वह बचे हुए मैचों में भी शायद ही खेलें। इंग्लैंड टीम के मुख्य कोच मैथ्यू मोट ने कहा है कि अगले माह होने वाले टी20 विश्वकप 2022 को देखते हुए वह बटलर को पूरी तरह से ठीक होने का समय देना चाहते हैं। बटलर इस समय कॉल्फ इंजरी से पीड़ित हैं। उन्हें यह चोट इंग्लैंड में घरेलू क्रिकेट खेलते के दौरान लगी थी। बटलर की जगह इस सीरीज में टीम की कप्तानी मोईन अली के पास है। सीरीज से पहले माना जा रहा था कि बटलर अंतिम दो मुकाबले खेलेंगे पर अब ऐसा नहीं लगता है। ओपनर जॉनी बेयरस्टो पहले ही चोटिल होने के कारण टी20 विश्वकप से बाहर हैं , ऐसे में अब कोच बटलर को लेकर कोई खतरा मौल नहीं लेना चाहते हैं। बेयरस्टो के नहीं होने पर बटलर पर जिम्मेदारी भी बढ़ जाती है। अब वह इंग्लैंड की बल्लेबाजी की कमान संभालेंगे। बटलर ने गत वर्ष हुए आईसीसी टी20 विश्व कप 2021 में भी शानदार प्रदर्शन किया था। वह टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में पिछली बार चौथे स्थान पर थे। इस साल आईपीएल में भी उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया था।

व्यापारन्यूज

रुपया फिर गिरावट पर खुला, अब तक के सार्वकालिक निचले स्तर पर

मुंबई। अमेरिकी करंसी की मजबूती के बीच रुपया बुधवार को शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 40 पैसे टूटकर 81.93 के सर्वकालिक निचले स्तर पर आ गया। इस दौरान निवेशकों के बीच जोखिम से बचने की भावना से भी रुपए पर दबाव बना। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि घरेलू शेयर बाजारों में गिरावट और विदेशी कोषों की निकासी के चलते भी निवेशकों के रुख में नरमी आई। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया डॉलर के मुकाबले 81.90 पर खुला, फिर गिरकर 81.93 पर आ गया। इस तरह रुपया पिछले बंद भाव के मुकाबले 40 पैसे टूटा। मंगलवार को अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपए की विनिमय दर 14 पैसे चढ़कर 81.53 प्रति डॉलर पर पहुंच गई थी। इस साल रुपए में डॉलर के मुकाबले नौ फीसदी गिरावट आई है। अमेरिका में दस साल की मैच्योरिटी वाले बॉन्ड पर यील्ड चार फीसदी पहुंच गया है। 2010 के बाद पहली बार ऐसा हुआ है। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.40 प्रतिशत बढ़कर 114.55 पर पहुंच गया।

सोना दो साल में सबसे सस्?ता, चांदी भी टूटी

नई दिल्ली। वैश्विक संकेतों की वजह से बुधवार को भारतीय बाजार में भी सोने और चांदी की कीमतों में दबाव देखा जा रहा है। वैश्विक बाजार लगातार तीसरे दिन इन दोनों ही कीमती धातुओं की कीमतों में गिरावट आई है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सोने का भाव शुरुआती कारोबार में 0.24 फीसदी गिर गया है। चांदी का भाव भी 0.73 फीसदी टूट गया है। सोने के भाव अब दो साल के निचले स?तर पर चल रहे हैं। बुधवार को एमसीएव ?स पर 24 कैरेट शुद्धता वाले सोने का भाव सुबह के समय 116 रुपए टूटकर 49,203 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया। एमसीएक्स पर सोने में कारोबार 49,160 रुपए के स्तर से शुरू हुआ। कुछ समय बाद भाव 49,241 रुपए के स्तर पर पहुंच गया। बाद में यह थोड़ा गिरकर 49,203 रुपए पर कारोबार करने लगा। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर चांदी 406 रुपए टूटकर रुपए 54,973 प्रति किलो हो गई। चांदी में सुबह कारोबार 55,200 रुपए से शुरू हुआ था। कुछ देर बाद भाव गिरकर 54,835 रुपए हो गया। इसके बाद चांदी का भाव थोड़ा संभला और यह 54,973 पर कारोबार करने लगा।

शेयर बाजार शुरुआती कारोबार में गिरावट पर खुले

सेंसेक्स 600 अंक टूटा, निफ्टी 16,825 पर

मुंबई। एशियाई बाजारों में कमजोर रूझानों और विदेशी कोषों की निकासी के बीच बुधवार को शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स में लगभग 609 अंक की ?गिरावट देखी गई। निफ्टी में भी गिरावट आई। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 608.8 अंक गिरकर 56,498.72 अंक पर आ गया। एनएसई निफ्टी 182 अंक टूटकर 16,825.40 अंक पर था। सेंसेक्स में एनटीपीसी, इंडसइंड बैंक, एचडीएफसी, एक्सिस बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज, आईटीसी, एचडीएफसी बैंक और एशियन पेंट्स गिरने वाले प्रमुख शेयरों में शामिल थे। दूसरी ओर सन फार्मा, महिंद्रा एंड महिंद्रा, डॉ. रेड्डीज और पॉवर ग्रिड बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे। पिछले कारोबारी सत्र में मंगलवार को तीस शेयरों पर आधारित सेंसेक्स 37.70 अंक की गिरावट के साथ 57,107.52 अंक पर बंद हुआ था।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 8.90 अंक की मामूली गिरावट के साथ 17,007.40 अंक पर बंद हुआ था।

आज के कारोबार को अगर सेक?टरवार देखें तो सभी सेक?टर्स लाल निशान पर कारोबार कर रहे हैं. लेकिन निफ्टी ऑटो, निफ्टी मेटल और निफ्टी बैंक जैसे सेक?टर्स में बड़ी गिरावट दिख रही है। ये सेक?टर एक फीसदी से ज?यादा के नुकसान पर कारोबार कर रहे हैं। निफ्टी मिडकैप 100 और स?मॉलकैप 100 पर भी 0.7 फीसदी तक गिरावट दिख रही है। डॉ रेडडी के शेयरों ने आज शुरुआती कारोबार में ही एक फीसदी की बढ़त बना ली है, जबकि मदरसन सुमीके स?टॉक 6 फीसदी तेज हो गए हैं। इस बीच अंतरराष्ट्रीय तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 1.25 फीसदी की गिरावट के साथ 85.19 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर आ गया।

राइवल फिस्कर कंपनी लॉन्च करेगी इलेक्ट्रिक एसयूवी

-अमेरिकी कंपनी है राइवल फिस्कर

नई दिल्ली। जानी-मानी कंपनी टेस्ला की फिलहाल भारत में एंट्री होती नहीं दिख रही है। वहीं अमेरिकी राइवल फिस्कर ने भारत में अपने आगाज का बिगुल फूंक दिया है। सीईओ हेनरिक फिस्कर ने नई दिल्ली में कहा कि कंपनी अगले साल जुलाई में एसयूवी ओसियन बेचना शुरू कर देगी। साथ ही अगले कुछ सालों में कंपनी कारें यहां मैन्युफैक्चर करना भी शुरू कर देगी। हेनरिक ने कहा कि भारत में 2025-26 तक इलेक्ट्रिक कारों की मार्केट में उछाल आएगा और कंपनी पहले कदम उठाकर इसका फायदा उठाना चाहती है। उन्होंने कहा कि आखिर में भारत पूरी तरह से इलेक्ट्रिक कारों पर निर्भर हो जाएगा। बकौल फिस्कर, ÷भले ही

ये अमेरिकी, चीन और यूरोप जितनी तेजी से न हो लेकिन हम चाहते हैं कि यहां आने वाले हम पहले हों÷

ओसियन इस कंपनी की फ्लेगशिप एसयूवी है जो अमेरिका में पहले ही लॉन्च हो चुकी है। ओसियन एक्सट्रीम एसयूवी एक बार फुल चार्ज होने पर 563 किलोमीटर का सफर तय कर सकती है। वहीं, ओसियन अल्ट्रा 547 किलोमीटर की दूरी तय करती है। टेस्ला की मॉडल वाई 531 किलोमीटर का सफर तय करती है। ओसियन एसयूवी में निकल और आयरन बेस्ड बेटरी हैं। इसमें ऑल व्हील ड्राइव एक स्टैंडर्ड फीचर है जो सभी मॉडल्स में मिलेगा। ओसियन एक्सट्रीम में एक सोलर सनरूफ भी है जो दावे के अनुसार, कार को एक साल में 3218 किलोमीटर चला सकती है। फिस्कर का यह दावा भी है कि उनकी एसयूवी आपातकालीन स्थिति में घर को भी इलेक्ट्रिसिटी सप्लाई कर सकती है। फिस्कर की कार अमेरिका में 37,500 डॉलर के करीब रिटेल मार्केट में मिलती है। जो भारतीय रुपये में करीब 30.5 लाख रुपये है। हालांकि, कार को भारत लाने पर माल ढुलाई और 100 फीसदी आयात शुल्क लगेगा जो इसे और महंगा कर देगा।

वोडाफोन आइडिया का नेटवर्क नवंबर से हो सकता है बंद!

नई दिल्ली। टेलिकॉम कंपनी वोडाफोन आइडिया पर भारी कर्ज हो गया है, जिसकी वजह से 25.5 करोड़ ग्राहकों की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। नवंबर से कंपनी का नेटवर्क बंद हो सकता है। वोडाफोन आइडिया पर इंडस टावर्स का करीब 7,000 करोड़ रुपए का बकाया है। इंडस टावर्स ने चेतावनी दी है कि अगर कंपनी ने जल्दी से उसके बकाये का भुगतान नहीं किया तो नवंबर से उसे टावर्स को एक्सेस नहीं दिया जाएगा। ईटी की एक रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से यह जानकारी दी गई है। टावर कंपनी इंडस टावर्स ने वोडाफोन आइडिया को पत्र लिखकर यह चेतावनी दी है। हाल ही में इंडस टावर्स के बोर्ड की मीटिंग हुई। इसमें कंपनी की वित्तीय स्थिति पर चर्चा हुई। इंडस टावर्स का वोडाफोन आइडिया पर करीब सात हजार करोड़ रुपए का बकाया है। रिलायंस जियो और एयरटेल के बाद वोडाफोन आइडिया देश की तीसरी बड़ी टेलिकॉम कंपनी है। एयरटेल और रिलायंस जियो दिवाली पर 5जी सर्विस लॉन्च करने की तैयारी में हैं लेकिन वोडाफोन आइडिया ने अब तक ऐसी कोई घोषणा नहीं की है। इसकी वजह यह है कि कंपनी को 5जी इक्विपमेंट सप्लाई करने वाली कंपनियों और टावर कंपनियों के साथ डील फाइनल करने में दिक्कत हो रही है। सूत्रों के मुताबिक ये कंपनियां वोडाफोन आइडिया से पिछला बकाया क्लीयर करने और नए कॉन्ट्रैक्ट्स के लिए एडवांस पेमेंट्स मांग रही हैं। इन कंपनियों का वोडाफोन आइडिया पर 13,000 करोड़ रुपए का बकाया है। फिनलैंड की कंपनी नोकिया का 3,000 करोड़ रुपया और स्वीडन की कंपनी एरिक्सन का 1,000 करोड़ रुपए बकाया है।

इंडियन ऑयल ने तैयार किया सौर ऊर्जा से चलने वाला स्टोव

सोलर स्टोव की कीमत है 12,000 रुपये से शुरू

नई दिल्ली। सरकारी तेल कंपनी इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन ने एक अनोखा स्टोव तैयार किया है, जो सौर ऊर्जा से चलता है। आप इस घर लाकर महंगे रसोई गैस से निजात पा सकते हैं।अब सोलर से आप सोच रहे होंगे कि स्टोव को धूप में रखने को जरूरत पड़ेगी। तो ऐसा नहीं है। आप स्टोव को किचन में या कहीं भी रखकर अपनी सुविधा के अनुसार इस्तेमाल कर सकते हैं।

इंडियन ऑयल ने इस सोलर पावर्ड स्टोव को सूर्य नूतन नाम दिया है। हाल ही में केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह और हरदीप सिंह पुरी ने सूर्य नूतन स्टोव की जांच-परख की थी। एक सरकारी बयान में बताया गया था कि केंद्रीय मंत्रियों ने इंडियन ऑयल के इस इनोवेशन की सराहना की है। अगर सूर्य नूतन सोलर स्टोव की खासियत की बात करें, तो इसे एक ही जगह पर स्थाई तरीके से लगाया जा सकता है। जैसे आप अपने किचन में गैस स्टोव लगाया है, वैसे ही इसे भी फिट कर सकते हैं। यह एक रिचार्जेबल और इनडोर सोलर कुकिंग सिस्टम है। इसे इंडियन ऑयल के अनुसंधान एवं विकास केंद्र, फरीदाबाद ने डिजाइन व डेवलप किया है। इंडियन ऑयल ने इसका पेटेंट भी कराया है।सूर्य नूतन सोलर स्टोव के दो यूनिट हैं। एक स्टोव है, जिसे आप किचन में लगा सकते हैं।

दूसरा यूनिट धूप में रहता है और वह चार्ज करते समय ऑनलाइन कुकिंग मोड प्रदान करता है। इसके अलावा चार्ज हो जाने के बाद भी इसे इस्तेमाल किया जा सकता है। इस तरह %सूर्य नूतन% सौर ऊर्जा का अधिक से अधिक इस्तेमाल सुनिश्चित करता है। यह स्टोव हाइब्रिड मोड पर भी काम करता है। इसका मतलब ये है कि इस चूल्हे में सौर ऊर्जा के अलावा बिजली के अन्य स्रोतों का भी इस्तेमाल किया जा सकता है।सूर्य नूतन का इन्सुलेशन डिजाइन ऐसा है, जो विकिरण और धूप की गर्मी के नुकसान को कम करता है। सूर्य नूतन तीन अलग-अलग मॉडलों में उपलब्ध है। इस सोलर स्टोव के प्रीमियम मॉडल पर चार लोगों के परिवार के लिए पूरा भोजन (नाश्ता + दोपहर का भोजन + रात का खाना) आराम से तैयार हो सकता है। इस सोलर स्टोव की कीमत 12,000 रुपये शुरू होती है। इसके बेस मॉडल का दाम लगभग 12,000 रुपये और टॉप मॉडल की कीमत 23,000 रुपये है। हालांकि, इंडियन ऑयल का कहना है कि आने वाले समय इसकी कीमतों में काफी कम हो सकती हैं।

कंपनी ने हाल ही में बाजार में अपना सोलर स्टोव लॉन्च किया है, जिसे घर लाकर आप भी गैस की बढ़ती कीमतों के टेंशन से छुटकारा पा सकते हैं। बता दें कि रसोई गैस की बढ़ती कीमतों ने आम आदमी के बजट को काफी हद तक प्रभावित किया है। इस वजह से आम लोगों को अपनी जरूरत की अन्य चीजों में कटौती करनी पड़ रही है। लेकिन एक चीज लोगों को महंगी रसोई गैस से निजात दिला सकती है और वो है सोलर स्टोव ।

नवरात्रि में फलाहार का है वैज्ञानिक आधार

नवरात्रि में देवी की उपासना के साथ ही नौ दिनों के उपवास होते हैं इन दिनों फलाहार ही होता है। इन दिनों घर में सादे नमक की जगह सेंधा नमक और गेहूं के आटे की जगह बल्कि सिर्फ कूटू का आटा या सिंघाड़े का आटा खाया जाता है। इसके पीछे धार्मिक के साथ ही वैज्ञानिक आधार भी है। आयुर्वेद के मुताबिक गेहूं, प्याज़, लहसुन, अदरक जैसी चीज़ें नकारात्मक ऊर्जा आकर्षित करती हैं। वहीं मौसम के बदलने पर हमारी रोग प्रतिरोधक शक्ति काफी कम होती है, जिसकी वजह से शरीर को बीमारियां लगती हैं। ऐसे में इन चीज़ों का सेवन करना नुकसानदायक साबित हो सकता है। व्रत करने का मतलब है रोज़ के खाने से शरीर पर रोक लगाना। ऐसे में लोग आसानी से पच जाने वाला और पोषक तत्वों से भरा खाना खाते हैं। गेहूं, पाचन क्रिया को धीमा करता है, इसलिए लोग इससे परहेज़ करते हैं। परिवर्तित खाने की जगह फल, सब्जी, जूस और दूध पीना ज्यादा बेहतर माना जाता है।

सेंधा नमक

देखा गया है कि नवरात्रि के समय लोग खाना बनाने में सादे नमक की जगह सेंधा नमक का इस्तेमाल करते हैं। सेंधा नमक पहाड़ी नमक होता है, जो स्वास्थ्य के साथ व्रत के खाने में शामिल किए जाने वाला सबसे शुद्ध नमक माना जाता है। यह कम खारा और आयोडीन मुक्त होता है। इसमें सोडियम की मात्रा कम, पोटेशियम और मैग्नीशियम की मात्रा ज़्यादा पाई जाती है, जो कि हार्ट के लिए काफी फायदेमंद होता है।

साबूदाना

इसे हर तरह के व्रत में खाया जा सकता है। साबूदाना एक प्रकार के पौधे से निकाले जाने वाला पदार्थ होता है, जिसमें स्टार्च की मात्रा काफी अधिक होती है। इसमें कार्बोहाइड्रेट और थोड़ा प्रोटीन भी शामिल होता है। साबूदाना शरीर को आवश्यक शक्ति प्रदान करता है। इससे आप साबूदाना खीर, टिक्की या फिर साबूदाना खिचड़ी जैसे कई व्यंजन बना सकते हैं।

कूटू का आटा

कूटू का आटा एक पौधे के सफेद फूल से निकलने वाले बीज को पीसकर तैयार किया जाता है। आमतौर पर लोग इसे व्रत में खाते हैं, क्योंकि न तो यह अनाज है और न ही वनस्पति। यह एक घास परिवार का सदस्य है। कहते हैं कि इस आटे की तासीर गर्म होती है, जिससे शरीर में कार्बोहाइड्रेट और ग्लूकोज़ का स्तर बढ़ता है। कूटू का आटा ग्लूटन फ्री होने के साथ काफी पौष्टिक भी होता है। इसमें फाइबर, प्रोटीन और विटामिन-बी की मात्रा अधिक होती है। इस आटे में आयरन, मैग्नीशियम और फॉस्फोरस जैसे कई मिनरल्स होते हैं, जो कि व्रत के लिए पौष्टिक आहार माने जाते हैं।

सिंघाड़े का आटा

व्रत में पूरा दिन फलाहार खाने के बाद जब रात में भूख लगती है, तो लोग या तो कूटू के आटे की पकौड़ी खाते है या सिंघाड़े के आटे की। असल में यह आटा सूखे पिसे सिंघाड़े से बनता है। इसमें पोटेशियम और कार्बोहाइड्रेट की मात्रा ज़्यादा और सोडियम और चिकनाई की मात्रा कम होती है।सिंघाड़ा, एक तरह का फल होता है, जिसमें फाइबर, विटामिन्स और मिनरल्स पाए जाते हैं. व्रत के समय में इसे खाने का मतलब है, शरीर के पोषक तत्वों से जुड़ी जरूरतों को पूरा करना।

रामदाना

यह फलाहार पोषक तत्वों से भरा है। इसमें प्रोटीन और कैल्शियम की मात्रा अधिक होती है। व्रत के समय लोग, अनाज की जगह अपने खाने में इसे शामिल कर सकते हैं। इसमें ग्लायसैमिक इंडेक्स कम होता है और यह ग्लूटेन फ्री भी होता है। आप इससे रामदाना चिक्की या लड्डू समेत कई तरह के पकवान बना सकते हैं। कई लोग तो इसे दूध में ऊपर से डालकर खाना पसंद करते हैं।

कैसे हुई शारदीय नवरात्र की शुरुआत

शारदीय नवरात्र की शुरुआत हो गयी है। नवरात्रि साल में दो बार मनाई जाती है। पहला मार्च से अप्रैल के बीच चैत्र मास में आने वाली चैत्र नवरात्र और दूसरा आश्विन मास में, जिसे शारदीय नवरात्रि कहते हैं। नवरात्रि के दिनों में नौ दिनों तक मां दुर्गा के नौ अलग-अलग स्वरूपों की पूजा होती है। आश्विन मास में मनाए जाने वाले नवरात्रों में दसवें दिन विजयदशमी यानी दशहरा त्यौहार के रूप में मनाया जाता है।

कैसे हुई थी शारदीय नवरात्र की शुरुआत

ऐसी मान्यता है कि शारदीय नवरात्र की शुरुआत भगवान राम ने की थी। भगवान राम ने सबसे पहले समुद्र के किनारे शारदीय नवरात्रों की पूजा की शुरुआत की। भगवान राम ने लगातार 9 दिनों तक शक्ति की पूजा की थी और तब जाकर उन्होंने लंका पर जीत हासिल की थी। यही वजह है कि शारदीय नवरात्रों में नौ दिनों तक दुर्गा मां की पूजा के बाद दसवें दिन दशहरा मनाया जाता है। हर साल 10वें दिन तब से ही दशहरा मनाया जाता है और माना जाता है कि अधर्म की धर्म पर जीत, असत्य की सत्य पर जीत के लिए 10वें दिन दशहरा मनाते हैं।

तो आप खूब करेंगे यात्रा

हाथ भी आपके व्यवहार और जीवनशैली की जानकारी दे देते हैं। जिन व्यक्तियों के हाथ की उंगलियां चौड़े सिरों वाली यानी सिरे पर से पहले एवं दूसरे जोड़ की अपेक्षा अधिक चौड़ी होती हैं ऐसे व्यक्ति में कर्म करने की तीव्र इच्छा रहती है। ये व्यक्ति खाली नहीं बैठ सकते, लेकिन अस्थिर प्रवृत्ति के होते हैं। ऐसे व्यक्ति यात्रा प्रेमी होते हैं और जीवन में बदलाव के पक्षपाती भी होते हैं। ऐसे व्यक्ति आविष्कारक एवं यान्त्रिक दक्षता वाली प्रवृत्ति के होते हैं। विस्तार, शोध एवं अनुसंधान से इन्हें विशेष प्रेम होता है। जिन व्यक्तियों की हाथ की उंगलियों के सिरे मिश्रित हों अर्थात एक उंगली का सिरा नोकदार दूसरी उंगली का सिरा वर्गाकार, तीसरी का सिरा चौड़ा हो, ऐसा व्यक्ति बहुमुखी प्रतिभा का स्वामी होता है। ऐसा व्यक्ति ग्रहणशील होता है और किसी भी कार्य को अनायास ही करने में सक्षम होता है। ऐसा व्यक्ति सब कार्यों में दखल तो रखता है, किन्तु दक्ष किसी कार्य में नहीं होता। ऐसा व्यक्ति सर्वगुण सम्पन्न तो होता है, किन्तु उसमें विशेषज्ञता की कमी होती है। हर प्रकार के व्यक्ति से वह सही व्यवहार कर सकता है।

इस प्रकार मिलेगी नौकरी और कारोबार में सफलता

सफलता किसे नहीं चाहिए। नौकरी हो या व्यापार, परीक्षा हो या साक्षात्कार हर कोई सफल होना चाहता है। सफलता पाने के लिए सबसे ज्यादा जरूरी मेहनत है। किस्मत भी सफलता में अहम स्थान रखती है। पूरी लगन और मेहनत के साथ अगर हम कुछ चीजों पर ध्यान दें तो हो सकता है कि किस्मत भी हमारे साथ हो जाए। आइये जानते हैं वास्तु में बताए गए ऐसे ही कुछ आसान उपायों के बारे में। बात नौकरी के लिए साक्षात्कार से शुरू करते हैं। इंटरव्यू देने जाएं तो जेब में लाल रुमाल या कोई लाल कपड़ा रखें। अगर व्यापार में सफलता नहीं मिल रही है तो प्रतिष्ठान के उत्तर पश्चिम में दो सफेद घोड़ों की तस्वीर लगाएं। अगर नौकरी में वातावरण आपके अनुकूल नहीं है तो लाल शर्ट धारण करें। लाल रंग सौम्य होना चाहिए। घर या दुकान में तिजोरी हैं तो इसे कभी भी खाली न रखें। तिजोरी में चांदी का सिक्का जरूर रखें। घर में अलमारियां खुली रहती हैं तो यह नकारात्मक ऊर्जा पैदा करती हैं। घर की कोई भी अलमारी खुली न रखें। झाड़ू-पोंछा या डस्टबिन भी सफलता को प्रभावित कर सकता है। इन्हें कभी खुले में नहीं रखना चाहिए। झाड़ू को कभी भी रसोईघर में न रखें। बाथरूम को हमेशा साफ रखें। गंदा बाथरूम भी सफलता में रुकावट पैदा कर सकता है।

इस प्रकार बनायें दिन को बेहतर

अगर आप अपना दिन बेहतर बिताना चाहते हैं तो इसके लिए अच्छी शुरुआत करें। अक्सर हम अपने आसपास की ढेर सारी बातों को अनदेखा कर देते हैं, लेकिन इनका हम पर सीधा असर पड़ता है। वास्तुशास्त्र में कुछ उपाय बताए गए जिन्हें अपनाकर आप अपनी सुबह के साथ ही पूरे दिन को बेहतर बना सकते हैं। यह बात तो हम सब मानते हैं कि अगर हमारी सुबह शुभ कार्यों के साथ शुरु होगी तो हमारा पूरा दिन अच्छा गुजरता है।

आंख खुलते ही न देखें आईना: कई लोगों की आदत होती है, सुबह उठते ही आईना देखने की। वास्तु विज्ञान के अनुसार ऐसा नहीं करना चाहिए। ऐसा करने से दिनभर आप पर नकारात्मक ऊर्जा का प्रभाव बना रह सकता है। इसकी वजह यह है कि जब आप सोकर उठते हैं तो आपका शरीर नकारात्मक उर्जा के प्रभाव में होता है इसलिए आप आलस महसूस करते हैं। इसलिए कहा जाता है कि फ्रेश होने के बाद आईना देखना चाहिए।

सुबह उठते ही किसका चेहरा देखें: ऐसी मान्यता है कि आंख खुलते ही किसी व्यक्ति का चेहरा देखने से बचना चाहिए। दिन की शुरुआत के साथ सबसे पहले अपने ईष्ट देवता का ध्यान करें और उनके ही दर्शन करने चाहिए। इसके पीछे यह धारणा है कि व्यक्ति के चेहरे पर अलग-अलग तरह के भाव होते हैं जिसे देखकर आपके भाव भी बदलते हैं। लेकिन ईश्वर निर्विकार भाव आपको देखते हैं और आप भी उन्हें ऐसे ही देखते हैं जिससे मन में सकारात्मक भाव जगता है।

इसलिए सुबह उठकर देखें हथेली: कराग्रे वसते लक्ष्मी करमध्ये सरस्वती। करमूले तू गोविन्दः प्रभाते करदर्शनम ॥ कहा गया है कि हथेली के अगले हिस्से में देवी लक्ष्मी का वास होता है, मध्य में

सरस्वती का और मूल भाग में भगवान विष्णु विराजते हैं। यही कारण है कि सुबह उठकर सबसे पहले दोनों हाथों की हथेली को जोड़कर देखना चाहिए, ऐसा शास्त्रों का मत है। इसे व्यावहारिक रूप में देखें तो हथेली से ही सभी कर्म किए जाते हैं और इसी से धन और धर्म दोनों कर्तव्यों को पूरा किया जाता है इसलिए हथेली देखने की बात की जाती है।

शंख या मंदिर की घंटी की आवाज सुनाई दे तो: सुबह उठते ही अगर शंख या मंदिर की घंटियों की आवाज सुनाई दे तो यह आपके भीतर सकारात्मक ऊर्जा का संचार करता है। यही कारण है कि शास्त्रों में कहा गया है कि सुबह उठकर भगवान की पूजा करें और घंटी बजाकर शंखनाद करें।

दिन बन जाता है शुभ: शकुनशास्त्र के अनुसार सुबह घर से निकलते समय नारियल, शंख, मोर, हंस या फूल आपको दिख जाए तो समझिए आपका पूरा दिन शुभ बीतने वाला है।

सफाईकर्मी का दिखना शुभ: ज्योतिषशास्त्र में सफाईकर्मी को शनि से संबंधित माना गया है। लाल किताब के उपायों में बताया गया है कि यदि सुबह घर से निकलते ही आपको कोई सफाईकर्मी दिखाई दे तो उसे कुछ दान जरूर देना चाहिए।

अपना करोबार शुरू करते समय इन बातों का ध्यान रखें

अगर आप अपना कारोबार करने की योजना बना रहे हैं और चाहते हैं कि आपका काम सफल हो, तो कुछ बातों का ध्यान रख कर आप अपना कारोबार बढ़ा सकते हैं। इससे आपको लाभ ही होगा। इन नियमों का पालन करें।

सकारात्मक रहें

आपको ऐसे लोग मिल जाएंगे जो कहेंगे इस कारोबार में नुकसान है, कोई फायदा नहीं है। इसलिए सफलता चाहते हैं तो उसे दिन-प्रतिदिन एक बड़े स्तर पर ले जाने की कोशिश करें और सकारात्मक सोचें।

दृढ़ता के साथ काम करें

अपने लक्ष्य के लिए कितने गंभीर है, ये आपके दृढ़ लक्ष्य पर निर्भर करता है। एक कारोबार में लाभ और हानि दोनों हो सकती है, लेकिन इन सब के बारे में ना सोचकर आप एक दृढ़ विश्वास के साथ आगे बढ़ते रहें। ऐसे में सफलता जरुर मिलेगी।

योजना के साथ काम करें

कोई भी कारोबार एक योजना के बिना अधूरा है। कब क्या करना है, कैसे करना है, आप कितने पैसे कहां लगाना चाहते हैं। ये सब कुछ आप की योजना में शामिल होना आवश्यक है।

जिसमें एक्सपर्ट हों वहीं करें

आप एक कारोबार शुरू करने जा रहे हैं तो जरूरी नहीं है कि आप सब कुछ स्वयं कर लेंगे। जिस चीज में आप बेहतर हैं, सिर्फ वही करें सभी कामों में हाथ ना डालें।

सेहत का रखें ख्याल

जितना काम जरूरी है, उससे कहीं ज्यादा जरूरी आपकी सेहत है। अगर किसी वजह से आपके कारोबार में नुकसान हो जाता है, तो उसका असर सेहत पर ना पड़ने दें।

12वीं के बाद कर सकते हैं ये कोर्स

12वीं पास करने के बाद बहुत से छात्र ऐसे होते हैं जिन्हें आगे की पढ़ाई नहीं करना चाहते बल्कि वे कोई प्रोफेशनल कोर्स करने के बाद सीधे नौकरी या कोई काम धंधा करना चाहते हैं। ऐसे में छात्रों के लिए हम कुछ कोर्सों के बारे में सुझाव दे रहे हैं जिन्हें करने के बाद वे अच्छे खासे पैसे कमा सकते हैं। कोशिश करें यहां हम जो कोर्स बताने जा रहे हैं उन्हें किसी अच्छे संस्थान से करें। ये कोर्सेस 6 माह के सर्टिफिकेट से लेकर दो साल तक के डिप्लोमा या चार साल के डिग्री कोर्स भी हैं। आप इन्हें अपनी जरूरत के अनुसार चुन सकते हैं-

एनिमेशन डिजाइनिंग

इन दोनों प्रोफेशनल कोर्सेज में ड्राइंग, डिजाइनिंग और डिजाइनिंग के सॉफ्टवेयर से जुड़ी तकनीकी जानकारी का पता होना चाहिए। इसके अलावा आप बैचलर ऑफ फाइन आर्ट की भी पढ़ाई कर सकते हैं। अगर आप क्रिएटिव हैं तो आपके लिए इससे अच्छा कोर्स नहीं है। जिन लोगों की ड्राइंग अच्छी हो या चित्रकारी में उनका हाथ सधा हो ऐसे लोगों के लिए ये कोर्स बेहतर हो सकता है। एनिमेशन और ग्राफिक डिजाइन कोर्सेज के बाद तकरीबन न्यूनतम 3 लाख से 5 लाख रुपए सालाना की सैलरी मिल सकती है। नौकरी के अलावा इस क्षेत्र में फ्री लॉसिंग से भी पैसा कमा सकते हैं।

ज्वैलरी डिजाइनर का कोर्स

ज्वैलरी का शौक और जरूरत की भारत में सैकड़ों साल पुरानी रिवाज है। यहां शादी-विवाहों से लेकर हर विशेष अवसर पर लोग फैशनेबल ज्वैलरी जरूर खरीदते हैं। फैशन के शौकीन लोग जूलरी के आकर्षक डिजाइन को तरजीह देते हैं। दुनिया में भारत का सबसे बड़ा रत्न और आभूषण बाजार है लेकिन यह उद्योग ज्यादातर असंगठित क्षेत्र में है, जहां सोने पर ज्यादा तवज्जो दी जाती है। बड़ी कंपनियों के इस सेक्टर में कदम रखने के साथ अब सोने के अलावा रत्नों और पत्थरों की लोकप्रियता भी बढ़ गई है। ज्वैलरी डिजाइनिंग कोर्स में आपको पत्थरों के विभिन्न प्रकार, कलर स्कीम, डिजाइन थीम, परजेंटेशन और फ्रेमिंग, इंडिविजुअल जूलरी पीस का डिजाइन करना, पुरुषों की जूलरी, कॉस्ट्युम जूलरी, कॉस्टिंग वगैरह के बारे में बताया जाता है।

टॉप संस्थान-

- एनआईएफटी कैंपस, गुलमोहर पार्क के सामने, हौज खास, नई दिल्ली
- श्रीमती नाथीबाई दामोदर ट्रेनिंग (एसएनडीटी) विमिन यूनिवर्सिटी, मुंबई
- जेम ऐंड जूलरी एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल, राजस्थान भवन, जयपुर
- ज्यूलरी डिजाइन एंड टेक्नोलॉजी इंस्टिट्यूट, स्मॉल इंडस्ट्रीज सर्विस इंस्टिट्यूट, चेन्नै

इंटीरियर डिजाइनिंग

ये कोर्स उन छात्रों के लिए अच्छा है जो क्रिएटिव तो है हीं साथ डी उन्हें घर सजाना अच्छा लगता है। बस इंटीरियर डिजाइनिंग में उन्हें क्लाइंट की जरूरतों के हिसाब से इंटीरियर डिजाइन करना होता है। इंटीरियर डिजाइनिंग में लोग घरों, ऑफिसों में आकर्षक लुक देने के अलावा स्पेस का बेहतर इस्तेमाल करना भी बताते हैं। इसलिए इस कोर्स को करने वालों को क्रिएटिन, कम्यूनिकेट होने के साथ-साथ इमेजिनेटिव भी होना चाहिए। इंटीरियर डिजाइनिंग में कई संस्थान डिप्लोमा कोर्स मुहैया करा रहे हैं। इन पाठ्यक्रमों के लिए आप 12वीं के बाद आवेदन कर सकते हैं। बतौर इंटर्न 20 हजार रुपये महीना कमा सकता है। बड़े डिजाइनर एक से दो रूम के लिए दो से तीन लाख रुपये बतौर कंसल्टेंसी मांग लेते हैं।

फैशन डिजाइनिंग

फैशन डिजाइनिंग एक आर्ट है जिसमें आप कपड़ों और एक्सेरीज की डिडाइनिंग करते हैं। इसके लिए सिर्फ स्केचिंग ही जरूरी नहीं होता बल्कि इसमें कई कोर्सेज हैं, जैसे फैब्रिक डाइंग एवं प्रिंटिंग, कम्प्यूटर एडेड डिजाइन, एक्सेसरीज एवं ज्वैलरी डिजाइनिंग, मॉडलिंग, गारमेंट डिजाइनिंग, लेदर डिजाइनिंग, इंटीरियर डिजाइनिंग, टैक्सटाइल डिजाइनिंग, टेक्सटाइल साइंस, अपैरल कंस्ट्रक्शन मेथड जैसे कोर्सेज शामिल होते हैं। फैशन डिजाइनिंग के कोर्सेज कर आफ अनुभव पाकर 25,000

क्या कांग्रेस में वास्तविक लोकतंत्र आ सकेगा?

सुरेश हिन्दुस्थानी

कांग्रेस पार्टी में राष्ट्रीय अध्यक्ष पद को लेकर नेताओं में जिस प्रकार से उत्सुकता बढ़ रही है, उसी प्रकार से कई नेता अपने आपको इस पद के लिए दावेदार मानने लगे हैं। यह केवल इसलिए भी हो रहा है कि कांग्रेस में राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव एक अप्रत्याशित घटना मानी जा रही है। लम्बे समय से लोकतांत्रिक पद्धति से बहुत दूर रही कांग्रेस पार्टी वास्तव में लोकतंत्र को स्वीकार करेगी, ऐसी संभावना भी बहुत कम दिखाई दे रही है। क्योंकि अभी से कहा जा रहा है कि गांधी परिवार का कोई शुभचिंतक ही राष्ट्रीय अध्यक्ष बनेगा? इस बात का आशय यही है कि कांग्रेस में वही होगा, जो गांधी परिवार यानी सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी चाहेंगी। ऐसी स्थिति रहती है तो स्वाभाविक रूप से यही कहा जा सकता है कि राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव को भले ही लोकतांत्रिक स्वरूप प्रदान किया जा रहा हो, लेकिन वास्तविकता इससे कोसों दूर है। हम जानते हैं कि राहुल गांधी लम्बे समय से राष्ट्रीय अध्यक्ष नहीं हैं, लेकिन कांग्रेस नेताओं के साथ उनका व्यवहार राष्ट्रीय अध्यक्ष जैसा ही था। इसी प्रकार डॉ. मनमोहन सिंह कहने मात्र के लिए सरकार के मुखिया रहे, लेकिन आम धारणा यही बनी थी कि सरकार का सारा संचालन सोनिया गांधी ने ही किया। क्या इस बार भी कांग्रेस ऐसे ही लोकतंत्र को कायम रखेगी। पिछले लगभग चार वर्ष से खाली पड़े कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के चुनाव को लेकर उठापटक जारी है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और शशि थरूर अपनी दावेदारी भी प्रकट कर चुके हैं। मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह भी ऐसे ही संकेत दे रहे हैं। हालांकि कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव कौन लड़ेगा, इसकी तस्वीर साफ नहीं है, लेकिन सवाल यह है कि कांग्रेस के जिन नेताओं ने राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव कराने की मांग की थी, उनमें से कोई नाम सामने नहीं आ रहा है। समूह 23 में शामिल मुकुल वासनिक के नाम की हल्की सी सुगबुगाहट जरूर सुनाई दी, लेकिन वह चुनाव लड़ेंगे, इसकी संभावना कम ही है। कांग्रेस ने भले ही अध्यक्ष पद के चुनाव की अधिसूचना जारी कर दी है, लेकिन जिस तरह से गांधी परिवार का दखल है उसे देखते हुए नहीं लगता कि यहां लोकतांत्रिक व्यवस्था लागू होगी। वह इस पद पर अपने अनुयायी को ही बनाना पसंद करेंगे। दरअसल कांग्रेस में युवराज राहुल गांधी ने अध्यक्ष का पद वर्ष 2019 के आम चुनाव में कांग्रेस की करारी पराजय के बाद छोड़ दिया था, तब से ही सोनिया गांधी अंतरिम अध्यक्ष का प्रभार संभाले हैं। उनकी अस्वस्थता के कारण पार्टी की न तो ठीक से बैठकें हो पाती हैं और न ही कोई बड़ा निर्णय। इस बीच कांग्रेस में कई वरिष्ठ नेताओं के बगावती तेवर सामने आए। इतना ही नहीं पार्टी के अड़ियल रवैये के कारण कई वरिष्ठ नेताओं ने कांग्रेस से नमस्ते कर ली, इसलिए अब जाकर संगठन को चुनाव की घोषणा करना पड़ी है। चूंकि राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत गांधी परिवार के पक्के अनुयायी हैं, इसलिए इस पद के प्रबल दावेदार हैं, किंतु उन्हें बार-बार सोनिया गांधी और राहुल गांधी के दरबार में परिक्रमा करना पड़ रही है। अशोक गहलोत ने नई दिल्ली में सोनिया गांधी से मुलाकात के बाद भारत जोड़ो यात्रा कर रहे राहुल गांधी से भी कोच्चि में मुलाकात की। राहुल से मिले संकेत के बाद गहलोत ने अध्यक्ष बनने के बाद राजस्थान के मुख्यमंत्री का पद छोड़ देंगे, की बात कही है। गांधी परिवार के उम्मीदवार के रूप में देखे जाने वाले अशोक गहलोत ने मुख्यमंत्री पद छोड़ने का इशारा करते हुए कांग्रेस अध्यक्ष के लिए चुनावी मैदान में उतरने के अपने फैसले की घोषणा की। पहले अशोक गहलोत ने कहा था कि वह कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में चुने जाने के बाद भी राजस्थान के मुख्यमंत्री के रूप में बने रहेंगे।

शहीद-ए-आज़म भगत सिंह की यात्रा में महात्मा गांधी की भूमिका

राकेश कुमार वर्मा

'मैं तो क्रान्तिरत गिरफ्तार हुआ हूं। मुझे फांसी नहीं दी जा सकती, मुझे तोप से उड़ा दो।' शहीद-ए-आज़म की इस गर्जना से उठते रक्तिम ज्वार से यह अधिष्ठात्री कृतकृत्य हुई। उनका स्वर...महामंगले पुण्य भूमे त्वदर्थे, पतत्वेषकायो नमस्ते नमस्ते.... आज भी शिराओं को चीरकर धरती का तिलक करने को उद्यत है।

इससे पहले 9 अगस्त 1925 को काकोरी कांड को अंजाम देने वाले अशफाकउल्ला सहित दस क्रांतिकारियों का पंजाबी पत्रिका 'किरती' में भगत सिंह ने जिस प्रकार उल्लेख किया है वह मूल्यों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता दर्शाता है। इस परिप्रेक्ष्य में लाहौर की धरती अधिक वंदनीय हो जाती है, जिसके बिना हमारी गौरवगाथा अधूरी है। रावी नदी के दाहिने तट पर बसे लाहौर का उल्लेख प्राचीन ग्रंथों में प्रभु राम के पुत्र के द्वारा बसाये जाने के कारण उसका नाम लवपुर से मिलता है। लाहौर के किले में आज भी प्रभु श्रीराम के पुत्र लव का एक मंदिर है। माना जाता है कि लाहौर के पास स्थित कुसूर नामक नगर को लव के भाई कुश ने बसाया था। वाल्मिकी रामायण में लव को उत्तर और कुश को दक्षिण कोसल राज्य दिए जाने का उल्लेख मिलता है। अखण्ड भारत में राष्ट्रगीत के रचयिता रवींद्रनाथ ठाकुर, लालकृष्ण आडवाणी व खान अब्दुल गफ्फार खां के जन्म का संबंध पाकिस्तान से है वहीं, पाकिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ का पुस्तैनी संबंध दिल्ली से। यदि स्वामी रामतीर्थ व दीनदयाल के चिंतन पर ध्यान केन्द्रित करें तों भारत माता की माला में हम परस्पर गुँथा हुआ पायेंगे।

भारत की आजादी निश्चित थी लेकिन, ब्रिटेन की संसद ने 4 जुलाई 1947 को भारत को विभाजित कर पाकिस्तान बनाने पर मुहर लगा दी। इसे मूर्त रूप देने से असंतुष्ट सर सिरील रेडक्लिफ रेडक्लिप के बारे में स्तंभकार कुलदीप नैय्यर ने उनके हवाले से बताया कि 'मैंने देखा लाहौर में हिंदुओं की संपत्ति ज्यादा है। लेकिन मैंने ये भी पाया कि पाकिस्तान के हिस्से में कोई बड़ा शहर ही नहीं था। मैंने लाहौर को भारत से निकालकर पाकिस्तान को दे दिया। अब इसे सही कहो या कुछ और लेकिन ये मेरी मजबूरी थी।'

स्वतंत्रता पश्चात आज जब आत्मवलोकन करते हैं तो उनके मूल्यों को अक्षुण्ण रखने में स्वयं को असफल पाते हैं। आज स्वार्थों के संघर्ष और उससे प्रेरित हमारी राजनीति देशभक्ति को जाति, धर्म, समुदाय की कसौटी पर मूल्यांकन कर रही है। इसका दन्खद पहलू यह है कि जिन संस्कारों और परिवेश में हमनें 'वसुधैव कुटुम्बकम' को अंगीकार किया वह विभाजन की विभीषिका का मूल्य चुकाकर भी नेहरू-जिन्ना की वैचारिक विकृतियो से मुक्त नहीं हो पाया। शायद राजनीति की यही नियति है जिसका परिणाम भुगतने के लिए देश अभिशप्त है। जिन्होंने अंग्रेज जासूस एडविना के कायिक षड़यंत्र में पड़कर राष्ट्र का सौदा कर लिया। इसलिए यहां न तो लोहिया का समाजवाद सार्थक है न ही दीनदयाल का अंत्योदय। महात्मॉ गांधी के विचारों को तो हमने पहले ही उनकी अस्थियों के साथ विसर्जित कर दिया है। इसलिए आवश्यक है कि भ्रम के घटाटोप की बजाय एकता और स्वीकार्यता के साथ देशप्रेम की अवधारणा को पुष्ट करें।

महात्मा गांधी का नाम आते ही शहीद-ए-आज़म भगत सिंह की फाँसी से जुड़ी उनकी भूमिका का स्मरण हो आता है। भगत सिंह की शहादत के अगले दिन 24 मार्च, 1931 को जैसे ही गांधीजी कराची के मालीर स्टेशन पहुंचे, तो उन्हें काले कपड़े से बने फूलों की माला भेंट की गई। 26 मार्च को कराची में प्रेस को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा - 'मैं भगत सिंह और

उनके साथियों की मौत की सजा में बदलाव नहीं करा सका और इसी कारण नौजवानों के प्रतिक्रियात्मक क्रोध स्वरूप फूलों को मैंने कृतज्ञतापूर्वक स्वीकार कर लिया।

भगत सिंह को फांसी के एक महीने पहले जब गांधीजी वाइसराय से मिलने गए थे, तब उन्होंने भगत सिंह की सजा खत्म करने की मांग की थी। बिड़ला द्वारा 18 फरवरी, 1931 को इस बारे में पूछे जाने पर गांधीजी ने कहा कि मृत्युदंड उचित नहीं है, क्योंकि वह सुधरने का अवसर नहीं देती।

भगत सिंह और उनके साथियों के प्रति ब्रिटिश सरकार भयभीत इसलिए उसने फांसी से ढाई वर्ष पूर्व ही उनकी गतिविधियों पर निगरानी रखने के लिए एलआईयू - लोकल इंटलीजेंस यूनिट का गठन किया। जिसके कारण संवैधानिक नियमों के विरुद्ध निर्धारित तिथि से एक दिन पूर्व भगतसिंह को फाँसी दे दी गई। जब उनके पार्थिव शरीर को सब्जी के एक ट्रक से लाया जा रहा था तो राष्ट्रभक्ति प्रेरित ट्रक चालक ने अमृतसर स्थित हुसैनीवाला में ससम्मान अंत्येष्टि को गौरवशाली प्रतीक दिया। इससे पूर्व जब भगत सिंह लाहौर जेल में थे संयोगवश उन्हें विशेष कार्य से लंदन जाना पड़ा। इस दौरान उनकी मुलाकात इरविन से हुई जिसने सशर्त भगतसिंह की फाँसी की सजा माफ करने का प्रस्ताव रखा। इस संबंध में भगतसिंह को अवगत कराने के लिए उन्होंने इलाहाबाद के अधिवक्ता तेजबहादुर सप्रू को तार कर स्थिति से अवगत कराने को कहा। भगत सिंह ने कहा कि मेरी शहादत ही स्वतंत्रता की 1919(जलियावाला बॉग), 1857 की क्रांति और 1880 में विफल हुई क्रान्ति को पुनर्प्रज्वलित कर राष्ट्र को उसका गौरव लौटायेगी। सप्रू जी ने महात्मागांधी को भगतसिंह के मंतव्य से अवगत करा दिया। तत्पश्चात लंदन में श्यामजी कृष्ण वर्मा के इंडिया हाउस में इस संबंध में हुए विमर्श के बाद गॉधीजी ने इरविन का प्रस्ताव ठुकरा दिया।

शहादत के बाद गांधी को भगत सिंह के प्रति बहुत अधिक सहानुभूति हुई। वे काफी देर के लिए मौन में चले गए । 23 मार्च, 1931 को भगत सिंह की फांसी के संबंध में दिए गए अपने वक्तव्य में गांधी ने कहा...मेरा निश्चित मत है कि सरकार द्वारा की गई इस गंभीर भूल के परिणामस्वरूप स्वतंत्रता प्राप्त करने की हमारी शक्ति में वृद्धि हुई है और जिसके लिए भगत सिंह और उनके साथियों ने मृत्यु का वरण किया है।'

हालांकि तमाम शहादत और नेकनीयती के बावजूद गांधीजी जांबाज क्रांतिकारियों के हिंसामार्ग का अतिशयोक्तिपूर्ण महिमामंडन नही चाहते थे। वैसे भी, यदि लाहौर षड्यंत्र और लाला लाजपत राय की शहादत के प्रतिशोध को नजरअंदाज कर दें तो भगतसिंह की वैचारिकी स्तर अपने समय के महानतम विचारकों में श्रेष्ठ था। जिसके हृदय में मनुष्यमात्र की अंतिम सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक आज़ादी के जुनून के साथ हो, ऐसे भगतसिंह को समझने के लिए जो करुणा अपेक्षित थी वैसी ही करुणा गांधीजी की स्थिति समझने के लिए शायद हममें सहानुभूति का संवरण करती।

सतोगुण और तमोगुण का फर्क

सतोगुण में ज्ञान के विकास से मनुष्य यह जान सकता है कि कौन क्या है, लेकिन तमोगुण तो इसके सर्वथा विपरीत होता है. जो भी तमोगुण के फेर में पड़ता है, वह पागल हो जाता है और पागल पुरुष यह नहीं समझ पाता कि कौन क्या है! वह प्रगति करने के बजाय अधोगति को प्राप्त होता है। वैदिक साहित्य में तमोगुण की परिभाषा दी गई है कि अज्ञान के वशीभूत होने पर कोई मनुष्य किसी वस्तु को यथारूप नहीं समझ पाता। उदाहरणार्थ, प्रत्येक व्यक्ति जानता है कि मनुष्य मर्त्य है और मृत्यु ध्रुव है। फिर भी लोग पागल होकर धन संग्रह करते हैं और नित्य आत्मा की चिन्ता किये बिना अहर्निश कठोर श्रम करते हैं। अपने पागलपन में वे आध्यात्मिक ज्ञान में कोई उन्नति नहीं कर पाते। ऐसे लोग आलसी होते हैं। जब उन्हें आध्यात्मिक ज्ञान में सम्मिलित होने के लिए आमन्त्रित किया जाता है, तो वे अधिक रुचि नहीं दिखाते। वे रजोगुणी व्यक्ति की तरह भी सक्रिय नहीं रहते। तमोगुण में लिप्त व्यक्ति का एक अन्य गुण यह भी है कि वह आवश्यकता से अधिक सोता है। ऐसा व्यक्ति सदैव निराश प्रतीत होता है और भौतिक द्रव्यों तथा निद्रा के प्रति व्यसनी बन जाता है। इसके विपरीत सतोगुणी पुरुष अपने कर्म या बौद्धिक वृत्ति से उसी तरह सन्तुष्ट रहता है, जिस प्रकार दार्शनिक, वैज्ञानिक या शिक्षक अपनी-अपनी विधाओं में निरत रहकर सन्तुष्ट रहते हैं। रजोगुणी व्यक्ति सकाम कर्म में लग सकता है। वह यथासंभव धन प्राप्त करके उसे उत्तम कार्य में व्यय करता है। कभी-कभी वह अस्पताल खोलता है और धर्मार्थ संस्थाओं को दान देता है। लेकिन तमोगुणी तो अपने ज्ञान को ढक लेता है। तमोगुण में रहकर मनुष्य जो भी करता है, वह न तो उसके लिए, न किसी अन्य के लिए हितकर होता है।

नवरात्रि में होता है नयी शक्ति का संचार

रमेश सर्राफ धमोरा

कहा जाता है कि शारदीय नवरात्रि धर्म की अधर्म पर और सत्य की असत्य पर जीत का प्रतीक है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इन्हीं नौ दिनों में मां दुर्गा धरती पर आती है। उनके आने की खुशी में इन दिनों को दुर्गा उत्सव के तौर पर देशभर में धूमधाम से मनाया जाता हैं।

नवरात्रि पर्व के नौ दिनों के दौरान आदिशक्ति जगदम्बा के नौ विभिन्न रूपों की आराधना की जाती है। ये नौ दिन वर्ष के सर्वाधिक पवित्र दिवस माने गए हैं। इन नो दिनों का भारतीय धर्म एवं दर्शन में ऐतिहासिक महत्व है और इन्हीं दिनों में बहुत सी दिव्य घटनाओं के घटने की जानकारी हिन्दू पौराणिक ग्रन्थों में मिलती है। माता के इन नौ रूपों को नवदुर्गा के नाम से भी जाना जाता है जो इस प्रकार हैं -शैलपुत्री, ब्रह्माचारिणी, चन्द्रघन्टा, कूष्माण्डा, स्कन्द माता, कात्यायिनी, कालरात्रि, महागौरी और सिध्दिदात्री।

नवरात्रि से हमें अधर्म पर धर्म और बुराई पर अच्छाई के जीत की सीख मिलती हैं। यह हमें बताती है की इंसान अपने अंदर की मूलभूत अच्छाइयों से नकारात्मकता पर विजय प्राप्ती और स्वयं के अलौकिक स्वरूप से साक्षात्कार कैसे कर सकता है। भारतीय जन-जीवन में धर्म की महत्ता अपरम्पार है। यह भारत की गंगा-जमुना तहजीब का ही नतीजा है कि सब धर्मों को मानने वाले लोग अपने-अपने धर्म को मानते हुए इस देश में भाईचारे की भावना के साथ सदियों से एक साथ रहते चले आ रहे हैं। यही कारण है की पूरे विश्व में भारत की धर्म व संस्कृति सर्वोतम मानी गयी है। विभिन्न धर्मों के साथ जुड़े कई पर्व भी है जिसे भारत के कोने कोने में श्रध्दा, भक्ति और धूमधाम से मनाया जाता है। उन्ही में से एक है नवरात्रि। वसन्त की शुरुआत और शरद ऋतु की शुरुआत, जलवायु और सूरज के प्रभावों का महत्वपूर्ण संगम माना जाता है। इन दो समय मां दुर्गा की पूजा के लिए

पवित्र अवसर माने जाते है। त्योहार की तिथियां चन्द्र कैलेंडर के अनुसार निर्धारित होती हैं। यह पूजा वैदिक युग से पहले प्रागैतिहासिक काल से है। नवरात्रि के पहले तीन दिन देवी दुर्गा की पूजा करने के लिए समर्पित किए गए हैं। यह बार आता है। चैत्र, आषाढ़, अश्विन, पौष प्रतिपदा से नवमी तक मनाया जाता है। नवरात्रि के नौ रातों में तीन देवियों महालक्ष्मी, सरस्वती और दुर्गा के नौ स्वरुपों की पूजा होती है जिन्हें नवदुर्गा कहते हैं। दुर्गा का मतलब जीवन के दुख को हटानेवाली होता है। नवरात्रि एक महत्वपूर्ण प्रमुख त्योहार है जिसे पूरे भारत में पूरे उत्साह के साथ मनाया जाता है।

त्योहार के पहले दिन बालिकाओं की पूजा की जाती है। दूसरे दिन युवती की पूजा की जाती है। तीसरे दिन जो महिला परिपक्वता के चरण में पहुंच गयी है, उसकि पूजा की जाती है। नवरात्रि के चैथे, पांचवें और छठे दिन लक्ष्मी- समृद्धि और शांति की देवी की पूजा करने के लिए समर्पित है। आठवे दिन पर एक यज्ञ किया जाता है। नौवा दिन नवरात्रि समारोह का अंतिम दिन है। यह महानवमी के नाम से भी जाना जाता है। इस दिन उन नौ जवान लड़कियों की पूजा होती है जो अभी तक यौवन की अवस्था तक नहीं पहुंची है। इन नौ लड़कियों को देवी दुर्गा के नौ रूपों का प्रतीक माना जाता है। लड़कियों का सम्मान तथा स्वागत करने के लिए उनके पैर धोए जाते हैं। पूजा के अंत में लड़कियों को उपहार के रूप में नए कपड़े, वस्तुयें, फल प्रदान किए जाते हैं। शक्ति की उपासना का पर्व शारदीय नवरात्र प्रतिपदा से नवमी तक निश्चित नौ तिथि, नौ नक्षत्र, नौ शक्तियों की नवधा भक्ति के साथ सनातन काल से मनाया जा रहा है। आदिशक्ति के हर रूप की नवरात्र के नौ दिनों में क्रमशरू अलग-अलग पूजा की जाती है। मां दुर्गा की नौवीं शक्ति का नाम सिद्धिदात्री है। ये सभी प्रकार की सिद्धियां देने वाली हैं। इनका वाहन सिंह है और कमल पुष्प पर ही आसीन होती हैं। नवरात्रि के नौवें दिन इनकी उपासना की जाती है। इस पर्व से जुड़ी एक कथा अनुसार देवी दुर्गा ने एक भैंस रूपी असुर अर्थात महिषासुर का वध किया था।

कांग्रेस नेताओं के बगावती तेवर

सूडोकु नवताल- 6206

★★★★☆ मध्यम

5					9	6		
						1	4	
			2	8				
			8				5	2
6								7
1	4				3			
				4	1			
	2	5						
		3	7					4

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6205 का हल

3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7

सनत जैन

जिस तरह से मध्य प्रदेश की सत्ता में ज्योतिरादित्य सिंधिया ने मुख्यमंत्री बनने के लिए दबाव बनाने की रणनीति अपनाई थी। उसी राह पर राजस्थान के सचिन पायलट चल रहे हैं। कांग्रेस के युवा नेता राहुल गांधी भारत जोड़ो यात्रा पर निकले हैं। कांग्रेश अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रही है। भाजपा के हमलों को देखते हुए राहुल गांधी ने, कांग्रेस अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ने से मना कर दिया। उसके बाद अशोक गहलोत को कांग्रेस अध्यक्ष बनाने की सर्वसम्मति पार्टी मे बनी। कांग्रेस के नेता अपने भविष्य को और व्यक्तिगत लाभ लेकर चिंतित रहते हैं। पार्टी से उन्हें कोई जुड़ाव नहीं रहता है। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी राजनीति के वह दांवपेच अभी भी नहीं सीख पाए हैं। जो राष्ट्रीय स्तर के नेता में पार्टी को एकजुट और सत्ता में पकड़ बनाए रखने के लिए जरूरी होती है।

जैसे ही अशोक गहलोत के राष्ट्रीय कांग्रेश अध्यक्ष बनाने पर सहमति बनी। उसके तुरंत बाद सचिन पायलट सक्रिय हो गए। एक व्यक्ति एक पद का सिद्धांत को लेकर कांग्रेस नेताओं के बीच कांव-कांव होने लगी। गहलोत के अध्यक्ष बनने के पहले ही पायलट ने राजस्थान के मुख्यमंत्री पद पर तावपोशी का दबाव बनाया। वस्तुस्थिति यह है विधायकों का बहुमत अशोक गहलोत के पास है। सचिन पायलट अल्प मत में होते हुए राहुल की कृपा से राजस्थान का मुख्यमंत्री बनने का सपना देख रहे हैं।

सचिन पायलट राहुल गांधी की भारत

जोड़ो यात्रा में पहुंचे।एक सखा के रूप में उन्होंनेराजस्थान के मुख्यमंत्री पद पर नियुक्ति चुनाव के पहले करने का दबाव बनाया। राहुल गांधी भी शायद उनकी बातों में आ गए।बच्चा पैदा हुआ नहीं, उसके पहले ही बाजा बजाना शुरू हो गये। गहलोत ने कांग्रेस अध्यक्ष का फार्म भी नहीं भरा था। उसके पहले ही कांग्रेस अध्यक्ष के दूत बनकर मल्लिकार्जुन खड़गे और अजय माकन जयपुर पहुंच गए। आनन-फानन में विधायकों की बैठक बुला ली। मुख्यमंत्री पद के लिये रायशुमारी करने लगे। अजय माकन के तेवर ऐसे थे, जैसे वह सचिन पायलट की ताजपोशी करने के लिए दिल्ली से भेजे गए हैं। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का कई दशकों का राजनीतिक अनुभव है। उन्होंने पिछले कई वर्षों से राजस्थान की सरकार को बचाए रखने के लिए हर संभव प्रयास किए। 2023 का विधानसभा चुनाव जीतने के लिए राज्य की योजनाएं बनाई। गहलोत की नजर में सचिन पायलट में सभी को साथ लेकर चलने,और गहलोत से बात करना भी सचिन पायलट पसंद नहीं करते। ऐसी स्थिति में विवाद होना ही था। सही मायने में कहा जाए तो कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के रूप में जिस तरह के राजनीतिक नेता की जरूरत थी। उसके गुण अशोक गहलोत में देखने को मिलते हैं। राजस्थान के विवाद में उन्होंने परिपक्वता का परिचय दिया है। सचिन पायलट के फुलाए हुए फुगे को कुछ ही घंटों में गहलोत समर्थकों ने फोड़कर पायलट को नेपथ्य में लाकर खड़ा कर दिया। पायलट की पुरानी बगावत को गहलोत समर्थक भूले नहीं है। राहुल गांधी बहुत जल्दी मे भावात्मक होकर निर्णय ले लेते हैं। परिपक्व राजनेता मंथन करता है। उसके निर्णय से क्या क्या असर हो सकते हैं।निर्णय लेने के पहले किन किन को संभालना होता है। पार्टी के बुजुर्ग नेता जिन्हें अनुभव बहुत होगा। उन को साथ रखकर यदि वह राजनीति करेंगे। तो भविष्य में एक सफल राजनेता बन सकते हैं। राजस्थान के ताजा घटना चक्र में अशोक गहलोत के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद पर चुने जाने के बाद, 1 पद 1 व्यक्ति के सिद्धांत को लागू करते, तो इस तरह का विवाद नहीं बनता। कांग्रेस नेताओं की पार्टी बन गई है। राहुल गांधी के आसपास जो बुजुर्ग नेता हैं,वह भी सही सलाह ना देकर निजी हितों को ध्यान में रखकर फैसले कराते हैं।जिसके कारण पार्टी की यह दुर्गति पिछले वर्षों में हुई है।

राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा से कांग्रेश के प्रति लोगों की धारणा बदल रही थी।भारत जन जन की पार्टी बनकर उभर रही थी। कांग्रेश आंदोलन की पार्टी थी। कांग्रेस एक बार फिर आंदोलन के माध्यम से जनता से जुड़ रही थी।

सासू छोटी, बहू बड़ी

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत लाख मना करें कि उन्होंने अपने कांग्रेस विधायकों को नहीं भड़काया है लेकिन उनकी इस बात पर कौन भरोसा करेगा? उनके 92 विधायकों ने विधानसभा अध्यक्ष को इस्तीफे सौंपकर वह काम कर दिखाया है, जो मेरी याददाश्त में कांग्रेस तो क्या, किसी भी पार्टी के राज्य में ऐसा कभी नहीं हुआ। पहले कई बार दल-बदल हुए हैं, सरकारें गिरी हैं लेकिन किसी पार्टी की इज्जत इस तरह से पहले कभी नहीं गिरी। सोनिया-राहुल कंपनी सपने में भी नहीं सोच सकती थी कि उनके अपने कर्मचारी उन्हें शीर्षासन करा देंगे। यदि अशोक गहलोत कांग्रेस अध्यक्ष बनने के पहले ही यह करिश्मा दिखा सकते हैं तो अध्यक्ष के तौर पर तो वे माँ-बेटे की मिल्कियत को भी उलटवा सकते हैं। राजस्थान में हुए घटना-क्रम की यही व्याख्या दिल्ली से भेजे गए दूत अब लौटकर पार्टी मालिकों को देंगे। गहलोत अपने हाथ झाड़ना चाहेंगे लेकिन लगता यह है कि अब उनका अध्यक्ष पद ही झड़ जाएगा। यदि सोनिया अब भी गहलोत को अध्यक्ष बनाने पर आमादा होंगी तो वह बहुत बड़ा खतरा मोल लेंगी। यदि गहलोत अब राजस्थान के मुख्यमंत्री ही बने रहे तो भी वे गले की फांस बन जाएंगे। उनका कद माँ-बेटे से भी ऊँचा हो गया है। गहलोत के लिए यह मारवाड़ी कहावत लागू हो रही है- गोड़गड़ी रे, गोड़गड़ी। सासू छोटी, बहू बड़ी।। कांग्रेस के अध्यक्ष पद के जो पिछले तीन-चार चुनाव हुए थे, उनमें भी रोचक नौटंकियां हुई थीं लेकिन इस चुनाव ने सिद्ध किया है कि देश की पार्टियों में अब आंतरिक लोकतंत्र की शुरुआत हो रही है। राजस्थान के कांग्रेसी विधायकों ने जो सत्साहस किया है, वह सभी पार्टियों के शीर्ष नेताओं को संदेश दे रहा है कि आप अपनेवाली चलाना बंद कीजिए। ऊपर से मनचाहे चहेतों को थोपना अब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यदि माँ-बेटा नेतृत्व गहलोत के साथ दुर्व्यवहार करेगा तो राजस्थान से भी कांग्रेस का सफाया वैसा ही हो जाएगा, जैसा कि पंजाब से हुआ है। राजस्थान में चली यह नौटंकी सबसे ज्यादा खुश किसे कर रही होगी? शशि थरुर को! और सबसे ज्यादा दुखी, किसको? राहुल गांधी को! क्योंकि राहुल ने ही केरल से मंत्र मारा था कि 'एक आदमी, एक पद%। अब आदमी और पद, दोनों ही हवा में लटक गए हैं। गहलोत चाहे तो अपनी नई पार्टी खड़ी करके राजस्थान के मुख्यमंत्री बने रह सकते हैं। वे अन्य कई कांग्रेसी नेताओं की तरह अपने 92 विधायकों को लेकर भाजपा में भी शामिल हो सकते हैं। इस घटना ने गहलोत को महानायक की छवि प्रदान कर दी है। गहलोत ने राहुल गांधी को केरल में करेले का रस पिला दिया है।

मुग्धा गोडसे ने 2021 में अच्छी शुरुआत के लिए फिल्म इंडस्ट्री का आभार जताया

अभिनेत्री मुग्धा गोडसे अपनी फिल्म फौजी कॉलिंग और रियलिटी शो फॉरबिडन एंजेल्स की रिलीज का इंतजार कर रही हैं, जिसमें वह जज की सीट पर नजर आएंगी। एक कठिन साल 2020 के बाद, वह खुश हैं कि फिल्म इंडस्ट्री में सभी के लिए चीजें चमकती दिख रही हैं। मुग्धा ने कहा, वर्ष 2021 की शुरुआत के लिए मैं हर चीज के लिए आभारी हूं। मेरी फिल्म रिलीज और रियलिटी शो टेलिकास्ट हो रहे हैं। बहुत सी चीजें हो रही हैं और कई प्रोजेक्ट लाइन में हैं। मैं उन सभी के लिए प्रार्थना करती हूं कि 2021 में, जिन्हें व्यापार और नौकरियों में बड़ा नुकसान हुआ, वह सब कुछ ठीक हो जाएगा। मैं अपनी फिल्म और शो को लेकर उत्साहित हूं। उन्होंने कहा, वर्ष 2020 एक टेस्टिंग का वर्ष रहा है और हमने सकारात्मक बने रहने की कोशिश की है। हालांकि इस वर्ष ने सभी को मुश्किल समय दिया। हमने लॉकडाउन के दौरान बहुत सारी गतिविधियां कीं और परिवार का समय मिला। अब हम सभी काम पर वापस आने की कोशिश कर रहे हैं। मुग्धा ने 2008 में फैशन के साथ अभिनय की शुरुआत की और जेल, हीरोइन और ऑल द बेस्ट : फन बिगिन्स जैसी फिल्में की।

तब्बू ने शुरू की भूल भुलैया 2 की शूटिंग, कार्तिक आर्यन ने किया जबरदस्त स्वागत

तब्बू बॉलीवुड की उन अभिनेत्रियों के लिस्ट में आती हैं जिनकी शानदार अदाकारी की लोग तारीफ करते हैं। अदाकारा तब्बू आज 40 बार हो गई है लेकिन इसके बावजूद भी वो फिल्मों में अहम रोल निभाती नजर आते हैं। अब अभिनेत्री तब्बू आने वाले दिनों में कई फिल्मों में नजर आने वाली है। जिसमे उनकी फिल्म भूल भुलैया 2 भी शामिल है। इस फिल्म की शूटिंग अभिनेत्री ने शुरू कर दी है। अभिनेत्री तब्बू ने फिल्म की स्टारकास्ट को ज्वाइन किया है। भूल भुलैया 2 में नजर आने वाले अभिनेता कार्तिक आर्यन ने अभिनेत्री का बेहद खास अंदाज में स्वागत किया है। तब्बू की एक तस्वीर शेयर करते हुए अभिनेता कार्तिक आर्यन ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर किया है। जिसमे उन्होंने अभिनेत्रीकी तस्वीर शेयर की और कैप्शन में लिखा कि, तब्बू जी वापसी पर स्वागत है लेकिन उन्होंने बाहर आने से मना कर दिया है वह सूट के लिए खुद का पोर्टेबल जेड प्लस प्लस बायो बबल लेकर आई है। इस तस्वीर की अगर हम बात करें तो इसमे कार्तिक आर्यन के साथ कियारा आडवाणी निर्देशक अनीस बज्मी और तब्बू नजर आ रहे हैं। अभिनेत्री तब्बू एक पारदर्शी चेंबर के अंदर बैठी हुई नजर आ रही हैं। अभिनेता का यह मजाकिया अंदाज सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। अगर हम बात करें फिर भूल भुलैया 2 की तो ये इसी साल 19 नवंबर को देशभर के सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। फिल्म भूल भुलैया 2 भी उन फिल्मों में शामिल है। जिसकी शूटिंग शो रियल कोरोना वायरस महामारी की वजह से प्रभावित हुई थी।

राजकुमार राव के ट्रासफॉर्मेश ने उड़ा दिए हर किसी के होश

बॉलीवुड के दमदार कलाकारों में से एक राजकुमार राव अपनी फिल्मों को लेकर हमेशा चर्चा में रहते है। वही राजकुमार अपनी हर फिल्म के साथ अपने लुक में काफी बदलाव करते हुए नज़र आते है। उनके लुक को काफी पसंद भी किया करते है। हाल ही में रिलीज फिल्म रूखी में राजकुमार एक अलग अंदाज़ में नज़र आ रहे है। वही इन दिनों राजकुमार अपनी अपकमिंग फिल्म बधाई दो की तैयारियों में लगे हुए है। इस फिल्म को लेकर काफी जबरदस्त बज बना हुआ है। इस फिल्म में राजकुमार राव एक पुलिस वाले के किरदार में नज़र आने वाले है। जिसके चलते उनकी मुछो को लेकर काफी चर्चा सामने आ रही है। वही इस फिल्म के लिए राजकुमार काफी पसीना भी बढ़ा रहे है।

'एनएच10', 'बुलबुल', 'पाताल लोक' के बिना खुद की कल्पना नहीं कर सकती : अनुष्का शर्मा

अभिनेत्री अनुष्का शर्मा का कहना है कि आज वह अपने प्रोडक्शन की फिल्में 'एनएच10', 'परी', 'फिल्लौरी', 'बुलबुल', 'पाताल लोक' के बगैर खुद की कल्पना भी नहीं कर सकतीं। उन्होंने कहा, मुझसे कहा गया था कि मुझे अपने एक्टिंग करियर पर ही ध्यान केंद्रित करना चाहिए और प्रोडक्शन के क्षेत्र में जाकर मन को भटकाना नहीं चाहिए। आज मैं 'एनएच10', 'परी', 'फिल्लौरी', 'बुलबुल', 'पाताल लोक' और अपने कुछ अपकमिंग प्रोजेक्ट्स के बगैर खुद की कल्पना भी नहीं कर सकती। उन्होंने कहा, प्रोड्यूसर के रूप में मेरा सफर 'एनएच10' के साथ शुरू हुई थी और यह आगाज किसी धमाके की तरह था। मैं इतना ही बता सकती हूं कि बतौर प्रोड्यूसर मुझे कुछ भी पता नहीं था। उसने कहा, ये मेरा सौभाग्य है कि दर्शकों को क्लटर-ब्रेकिंग कंटेंट देने के मेरे विजन और पैशन को साझा करने वाला मेरा भाई कर्णेश (शर्मा) मेरे साथ था। मेरे दिमाग में ढेर सारे सपनों का बसेरा था और मेरे भाई ने वाकई मेरा सपोर्ट किया और कंटेंट से जुड़ी अपनी सशक्त संवेदनाएं सामने लेकर आए। हम एक कमाल की टीम थे और अब भी हैं। अनुष्का ने जब यह कदम उठाने का फैसला किया था, उस समय वह सिर्फ 25 साल की थीं। उन्होंने कहा, मुझे खुशी है कि 25 साल की उम्र में मैंने बाजी अपने हाथ में ले ली थी और शायद मैंने इंडस्ट्री में एक महिला प्रोड्यूसर होने को लेकर छिड़ने वाली चर्चा का रुख बदल दिया है। अब कहा जाता है कि मैं हमेशा लीक से हटकर फिल्में बनाती हूं। इसे मैं अपना सौभाग्य मानती हूं। उसने कहा, अभिनेत्रियों के पक्ष में चीजों को हिला कर रख देने के लिए एनएच10 एक जरूरी और अहम फिल्म थी। एनएच10 ने दिखा दिया कि कोई महिला सर्वाइव करने के लिए, अपने दम पर खड़ा होने के लिए किस कदर संघर्ष कर सकती है।

सलामन ने किया फिल्म राधे की रिलीज डेट का ऐलान, जॉन अब्राहम के साथ होगी टक्कर

जब-जब बॉक्स ऑफिस पर दो बड़े अभिनेताओं की फिल्में रिलीज की गई है। तब तब एक बड़ा टकराव देखने को मिला है। ऐसे में किसी एक फिल्म को जबरदस्त नुकसान भी झेलने पड़ता है। अब आने वाले दिनों में दो बड़ी फिल्में बॉक्स ऑफिस पर टकराने वाली हैं। वो कोई और नहीं बल्कि सलमान खान की फिल्म राधे: योर मोस्ट वांटेड भाई और जॉन अब्राहम की फिल्म सत्यमेव जयते 2 शामिल है। आज कुछ समय पहले ही सलमान खान ने अपनी फिल्म राधे: योर मोस्ट वांटेड भाई की रिलीज डेट का ऐलान किया है। ये फिल्म ईद के मौके पर रिलीज होने वाली है। इसी के साथ सलमान खान ने अपने चाहने वालों से किया

हुआ वादा भी पूरा कर लिया है। सलमान खान ने फिल्म की रिलीज का ऐलान करते हुए नया पोस्टर भी रिलीज किया और बताया कि फिल्म 13 मई को बॉक्स ऑफिस पर रिलीज होने वाली है। आज से ठीक 2 महीने बाद सलमान खान की फिल्म रिलीज होगी। बता दें कि सलमान खान की एक्शन एंटरटेनमेंट फिल्म के साथ ही जॉन अब्राहम की मशहूर एक्शन फिल्म सत्यमेव जयते 2 भी रिलीज होने वाली है।

आपकी जानकारी के लिए बता दें कि जॉन अब्राहम की फिल्म सत्यमेव जयते 14 मई को देशभर के सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। तो ऐसे में जाहिर है कि दोनों फिल्मों के बीच जबरदस्त बॉक्स ऑफिस पर क्लैश देखने को मिलेगा। फिल्म सत्यमेव जयते की रिलीज का ऐलान मेकर्स ने काफी समय पहले ही कर दिया था। हालांकि अब राधे और सत्यमेव जयते दोनों में जबरदस्त टकराव देखने को मिलेगा।

महिलाओं में निहित शक्ति प्रतिनिधित्व की धारणा बदल सकती है : रानी मुखर्जी

अभिनेत्री रानी मुखर्जी का कहना है कि महिलाओं में जो शक्ति है, उससे हम फिल्म निर्माण के हर पहलू का प्रतिनिधित्व करने की धारणा को बदल सकते हैं। रानी ने कहा कि यदि महिलाएं एक-दूसरे की सफलता का जश्न मनाएं, तो उन्हें और अधिक सुना जाएगा। रानी ने कहा, हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में मेरी अब तक की यात्रा में मैंने महसूस किया है कि महिलाओं में जो शक्ति है, वह उस धारणा को बदल सकती है कि फिल्म निर्माण के हर पहलू में प्रतिनिधित्व कैसे किया जाए। हमें एक-दूसरे का समर्थन करना है, एक-दूसरे के लिए सशक्त बनाना है, ताकि उन लोगों के लिए रास्ता आसान हो सके जो पुरुषों द्वारा संचालित इस इंडस्ट्री में अपना एक नाम बनाना चाहती हैं। इसके लिए हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि हम एक-दूसरे की सफलताओं का जश्न मनाएं। रानी खुद को सौभाग्यशाली मानती हैं कि उन्हें जीवन में शानदार चरित्रों को निभाने का मौका मिला। वह कहती हैं, मैं खुशनसीब हूं कि मुझे एक कलाकार के तौर पर शानदार आत्मनिर्भर महिलाओं की भूमिका निभाने का मौका मिला। मेरी तरह, पीढ़ी दर पीढ़ी कई अभिनेत्रियों ने ऐसा करके इस चीज को बदलने की कोशिश की है कि पर्दे पर महिलाओं को कैसे चित्रित किया जाए। अब से पहले रानी की दो फिल्में हिचकी और मर्दानी 2 थीं।

पिंक ड्रेस में जाह्नवी कपूर ने करवाया फोटोशूट, हॉट अंदाज देख फैंस हुए घायल

बॉलीवुड एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर इन दिनों एक के बाद एक अपना लेटेस्ट फोटोशूट करवा रही है। जिसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रही है। हाल ही में उन्होंने पिंक ड्रेस में फोटोशूट कराया। दरअसल, यह पिंक ड्रेस पहनकर उन्हें मुंबई के एक थिएटर के बाहर स्पॉट किया गया था। इन तस्वीरों में जाह्नवी कपूर ने न्यूड मेकअप किया हुआ है। इसके साथ ही ग्रीन कलर की हील्स कैरी की हुई हैं। जाह्नवी फिल्म इंडस्ट्री की उन एक्ट्रेसेस में से हैं जो अपने हॉट लुक के चलते फैन्स के बीच छाई रहती हैं। फैशन को लेकर उनकी चॉइस किसी प्रो फैशनिस्टा से कम नहीं होती है। जाह्नवी कपूर भले ही इंडस्ट्री में न्यू हों, लेकिन फैशन के मामले में वह हमेशा ही छाई रहती हैं। जाह्नवी ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम अकांउट पर कुछ हॉट एंड बोल्ड तस्वीरें शेयर की थीं। इन तस्वीरों में वह खुलकर अपना बैक फ्लॉन्ट करती नजर आई थीं। जाह्नवी कपूर की फिल्म 'रूही' रिलीज होने के लिए तैयार है। इस फिल्म में जाह्नवी कपूर के अलावा वरुण शर्मा और राजकुमार राव भी नजर आने वाले है।

बचना हैं इन 5 बीमारियों से तो आज ही बदल लें सोडा पीने की लत

सोडा में बहुत सारी कैलोरी होती हैं और इससे मोटापा बढ़ता है। ये बात हम अकसर सुनते और पढ़ते रहते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि सोडाके सेवन से और भी कई प्रकार की स्वास्थ्य समस्याएं होती हैं। सोड़ा के स्वास्थ्य के जोखमों की बढ़ती सूची में लड़कियों में यौवन जल्दी आना नवीनतम समस्या है। मीठे सोडा युक्त पेय के कुछ और भी नुकसान हैं जो ये बताते हैं कि आपको आज ही सोडा पीने की लत से छुटकारा पा लेना चाहिए.....

1. वज़न बढ़ता है

वयस्कों और बच्चों पर हुए अध्ययन से पता चला है कि जो लोग मीठे पेय (सोडा सहित) का सेवन बढ़ते हैं, उन लोगों में तेजी से वज़न बढ़ने लगता है।

2. टाइप 2 डायबिटीज़ का खतरा

साल 2010 में हुए एक अनुसंधान की समीक्षा के अनुसार, मीठे पेय पदार्थ का सेवन करने वाले लोगों में इनका सेवन न करने वाले लोगों की तुलना में टाइप 2 डायबिटीज़ होने का जोखिम 26 प्रतिशत तक बढ़ जाता है।

3. उच्च रक्तचाप

शोध बताते हैं कि नियमित रूप से मीठा सोडा पीने वाले लोग अधिक उच्च रक्तचाप विकसित होने की संभावना ज्यादा होती है। शोध के अनुसार सोडा को छोड़ने से रक्तचाप को कम किया जा सकता है।

4. हृदय संबंधी रोग

हार्वर्ड विश्वविद्यालय के एक अध्ययन में पाया गया कि जो पुरुष व महिलाएं रोज़ाना एक शुगर युक्त सोड़ाड्रिंक पीते हैं, उनमें शुगर युक्त सोडा ड्रिंक न पीने वालों की तुलना में हार्ट अटैक होने का जोखिम 20 प्रतिशत अधिक होता है।

5. कुछ प्रकार के कैंसर

एक अध्ययन में पाया गया कि रजोनिवृत्त से पहले जो महिलाएं अधिक शुगर युक्त सोडा आदि का सेवन करती हैं, उनमें शुगर युक्त सोडा का सेवन ना करने वाली महिलाओं की तुलना में अंतर्गर्भाशयकला कैंसर का जोखिम 78 प्रतिशत तक अधिक होता है।

चश्मे की जगह कॉन्टेक्ट लेंस का प्रयोग करते हैं, तो जरूर बरते ये सावधानियां

अगर आपकी नजर कमजोर है और आप नजर के चश्मे की जगह कॉन्टेक्ट लेंस का प्रयोग करते हैं, तो आपको कुछ सावधानियां रखने की आवश्यकता है। जानिए 5 बातें, जिन्हें जानना आपके लिए जरूरी है.....

कॉन्टेक्ट लेंस लगाने के पहले अपने हाथों को साबुन से अच्छी तरह धो लें ताकि हाथ में किसी प्रकार की गंदगी न रहे। अन्यथा यह आपकी आंखों में समस्या पैदा कर सकती है हाथों को पोंछने के लिए रोंएदाय तौलिए का इस्तेमाल बिल्कुल न करें। एक भी सूक्ष्म रोंया आंखों में जाने पर आपके लिए बड़ी समस्या खड़ी कर सकता है।

3. कॉन्टेक्ट लेंस हमेशा साथ और स्वस्थ्य आंखों में ही लगाना चाहिए, अन्यथा यह खुजली, जलन, इंफेक्शन और लालिमा का कारण बन सकता है।

4. किसी भी तरह के स्प्रे का प्रयोग करते वक्त आंखों को बंद रखें। वहीं आंखों को इन कणों के संपर्क में आने से भी बचाएं, ताकि आंखें सुरक्षित रहें।

पौधे लगाने से होती है हरियाली : डॉ सुकर्ण मिश्रा

संदीप प्रधान दैनिक पुष्पांजलि टुडे

दतिया। भाजपा नेता डॉ सुकर्ण मिश्रा ने युवा मोर्चा के हरा भरा मध्यप्रदेश अभियान कार्यक्रम में शामिल होकर किया पौधारोपण भाजपा नेता डॉ सुकर्ण मिश्रा ने युवा मोर्चा पदाधिकारियों के साथ किया पौधारोपण बुधवार को भारतीय जनता युवा मोर्चा के हरा-भरा मध्य प्रदेश पौधारोपण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर भाजपा नेता डॉ सुकर्ण मिश्रा शामिल हुए जहां पर उन्होंने भाजपा जनप्रतिनिधि भाजपा पदाधिकारियों और युवा मोर्चा कार्यकर्ताओं के साथ सैकड़ों पौधे रोपित किए भाजपा नेता डॉ सुकर्ण मिश्रा ने कार्यक्रम में उपस्थित कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा पौधे लगाने से पृथ्वी पर हरियाली आती है और हरियाली से फिर खुशहाली आती है युवा मोर्चा के हरा भरा मध्यप्रदेश अभियान मैं दतिया युवा मोर्चा के कार्यकर्ता गांव गांव जाकर पौधारोपण कर रहे हैं जिससे आने वाले समय में हमारा दतिया हरा भरा होगा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन से

प्रारंभ हुआ यह कार्यक्रम 2 अक्टूबर तक चलेगा जिसमें युवा मोर्चा के कार्यकर्ता हजारों पौधे रोपित करेंगे जो अभी पौधे लगाए हैं उन पौधों की देखभाल भी करना जरूरी है समय पर उनको पानी मिले जिससे आने वाले समय में उनकी हरियाली से पृथ्वी मेहकेगी आओ हम सब मिलकर पौधारोपण करें और पृथ्वी को हरा भरा करें यह पौधारोपण कार्यक्रम युवा मोर्चा जिला प्रभारी अतुल भूरे चौधरी के नेतृत्व में आयोजित किया गया कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के तौर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती इंदिरा धीरू दांगी नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती शांति प्रशांत ढेगुला जनपद अध्यक्ष भांडेर संतोषी बलदाऊ यादव जिला पंचायत उपाध्यक्ष संतोष लश्करी नगर पालिका उपाध्यक्ष योगेश सक्सैना जनपद उपाध्यक्ष प्रशांत दांगी ग्रामीण मंडल अध्यक्ष रघुवीर कुशवाहा नगर मंडल अध्यक्ष पंकज गुप्ता बड़ोंनी मंडल अध्यक्ष प्रवीण पाठक पूर्व जनपद अध्यक्ष सतीश यादव अतिथि के तौर पर मौजूद रहे कार्यक्रम में युवा मोर्चा जिला प्रभारी अतुल भूरे चौधरी युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष मानसिंह कुशवाह सनत पुजारी गौरव दांगी अक्कू दुबे रिंकू दुबे जोली शुक्ला अंकित शर्मा रिंकू बुंदेला संघर्ष यादव गोलू यादव सुमित यादव कपिल राहुल पुरोहित मुकेश यादव अनुराग शर्मा ऋषभ यादव शादाब खान अंशुमन गुर्जर रोहित दुवे अभिषेक बबेले अर्जुन अहिरवार कल्लू कुशवाहा सत्यम पंडा आकाश भार्गव धर्मेंद्र गुर्जर दीपक सोनी कौशल यादव धीरज रावत हेमंत रावत आशू मिश्रा विवेक तिवारी योगेंद्र यादव अभिषेक दांगी गौरव गुप्ता रवि जाटव धर्मेंद्र प्रजापति शिवाजी गुर्जर अर्जुन यादव प्रशांत लश्करी प्रशांत दांगी रोशन शुक्ला विजय गुप्ता मनीष सेन अभय कमरिया सहित बड़ी संख्या में युवा मोर्चा कार्यकर्ता मौजूद रहे

मध्य प्रदेश सेवानिवृत्त अधिकारी कर्मचारी पेंशनर महासंघ की बैठक जिला ग्वालियर में सम्पन्न

महेंद्र शर्मा, उपसंपादक पुष्पांजली टुडे

ग्वालियर। दिनांक 28-09-2022 को मध्य प्रदेश सेवानिवृत्त अधिकारी कर्मचारी पेंशनर महासंघ जिला ग्वालियर की बैठक आदरणीय श्री वसंत पुरोहित जी संरक्षक सेवानिवृत्त अधिकारी कर्मचारी पेंशनर महासंघ मध्य प्रदेश भोपाल एवं भारतीय मजदूर संघ के विभाग प्रमुख पाठक जीकी अध्यक्षतामे आयोजित की गई जिसमें जिला ग्वालियर की कार्यकारिणी हेतु अरूण कुमार शर्मा अध्यक्ष कालीचरण शर्मा सचिव दिलीप मिश्रा ,विवेक दीक्षित उपाध्यक्ष एवं राम कुमार गुप्ता कोषाध्यक्ष को निर्वाचितघोषित किये गये ।सर्व प्रथम माननीय वसंत पुरोहित जी संरक्षक सेवानिवृत्त अधिकारी कर्मचारी पेंशनर महासंघ मध्य प्रदेश भोपाल को शाल एवं श्री फल भेंट कर सम्मानित किया गया ।बैठक में श्री राम गोयल जी को विशेष आमंत्रित सदस्य नियुक्त किया गया है जिला सचिव एवं उपाध्यक्ष ने अपने अपने सुझाव दिए ।संघ की बैठक माह में दो बार करने का निर्णय लिया गया ।प्रदेश के निर्णय अनुसार माह अक्टूबर में आगामी कार्यक्रम की तैयारी की जावेगी और संगठित होकर कार्य किया जावेगाजिससे पेंशनर साथियों के हित मे अधिक् से अधिक कार्यवाही हो सकेगी धन्यवाद के साथ बैठक समाप्त की गई ।

भाजपा युवा मोर्चा ने मनाई शहीद ए आजम भगत सिंह की जयंती

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । आज शहीद ए आजम भगत सिंह की 115 वी जयंती के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी एवं युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने किला स्थित भगत सिंह की मूर्ति पर माला अर्पण एवं श्रद्धांजलि देकर याद किया। इस अवसर पर भारतीय जनता युवा मोर्चा की प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अतुल रमेश पाठक ने कहा कि आज भगत सिंह की 115 वी जयंती है, आज के दिन सबसे पहले हम देशवासियों को यह समझना चाहिए कि हमें किस तरह से आजादी मिली, क्योंकि केवल 23 साल की उम्र में शहीद ए आजम भगत सिंह भारत मां की आजादी की लड़ाई में सबसे बड़ा इंकलाबी बन गए। भगत सिंह ने किशोरवय में ही देश के लिए अपनी राह चुन ली थी। इसलिए हम

सबको भगत सिंह के आदर्शों को अपनाकर आज शहीद-ए-आजम की जयंती पर उनके लिए सच्ची श्रद्धांजलि होगी। इस अवसर पर भाजपा मंडल अध्यक्ष टीपू भदौरिया एवं अमित जैन ने कहां की भगत सिंह ने ब्रिटिश सरकार से जिस साहस के साथ मुकाबला किया, उसे भुलाया नहीं जा सकता है। क्रांतिकारी भगत सिंह की जिंदगी से हमें कई तरह की प्रेरणा मिलती हैं, भगत सिंह का मानना था कि जिंदगी तो सिर्फ अपने दम पर ही जीती जाती है और ऐसे में यदि हम कुछ करना है तो निष्क्रियता की भावना को बदलना होगा और हमें क्रांतिकारी भावना अपनानी होगी। कार्यक्रम के बाद युवा मोर्चा ने शहीद ए आजम भगत सिंह की याद में एवं हरा-भरा मध्यप्रदेश कार्यक्रम के तहत सर्किट हाउस पर पौधेरोपण किया । इस मौके पर अतुल पाठक ने कहा कि युवा मोर्चा के हरा भरा मध्यप्रदेश कार्यक्रम ने युवाओं में पर्यावरण के क्षेत्र में क्रांति का संचार किया है।

शिवपुरी कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक ने किया करैरा भ्रमण

बैंक में हितग्राहियों से चर्चा की

संवादाता हरिओम परिहार की रिपोर्ट

शिवपुरी। कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक ने गत दिवस मंगलवार को करैरा विकासखंड का भ्रमण किया। मुख्यमंत्री जन सेवा अभियान के तहत हितग्राहियों को लाभ वितरित किए जा रहे हैं। इसमें जिन हितग्राहियों के बैंक से प्रकरण स्वीकृत किए गए हैं उनसे भी चर्चा की। अधिकारियों ने मध्यांचल ग्रामीण बैंक अमोला शाखा का निरीक्षण किया और बैंक प्रबंधक से प्रकरण स्वीकृति के संबंध में चर्चा की। जिन हितग्राहियों के ऋण स्वीकृत किए गए हैं उन्हें स्वीकृति पत्र भी प्रदान किए। यहां स्व सहायता समूह की महिलाओं को भी पांच-पांच लाख के ऋण स्वीकृत किए गए हैं। जिससे वह अपना काम आगे बढ़ा सकें। समूह की महिलाओं को बैंक पासबुक की प्रति सौपीं। पिछले सप्ताह जिला स्तरीय बैंकर्स समिति की

बैठक में भी गहन समीक्षा करते हुए बैंक के प्रतिनिधियों को कलेक्टर अक्षय कुमार सिंह ने निर्देश दिए थे। विभिन्न विभागों की योजनाओं के तहत प्रकरण बैंकों को भेजे जाते हैं। उसमें बैंक द्वारा तत्परता से कार्यवाही की जाए।

करैरा में बैंकर्स के साथ बैठक

हितग्राहियों के प्रकरणों की स्वीकृति को लेकर करैरा क्षेत्र के बैंकर्स के साथ बैठक आयोजित की गई। कलेक्टर अक्षय कुमार सिंह ने सभी को विभिन्न योजनाओं के तहत हितग्राहियों के ऋण स्वीकृति के निर्देश दिए। बैठक में एसडीएम, लीड बैंक मैनेजर सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

कुशवाह समाज कोलारस ने जातिगत टिप्पणी के विरोध में पैदल रैली निकालकर की कार्यवाही की मांग

अरुण कुशवाह रिपोर्टर पुष्पांजली टुडे

कोलारस। कुशवाह समाज पर सोशल मीडिया के माध्यम से की गई जातिगत गाली गलौज धमकी वाली टिप्पणी के विरोध में आरोपी आकाश ठाकुर निवासी धौलपुर पर मुकदमा दर्ज करवाने हेतु कोलारस विधानसभा की कुशवाह समाज ने आज इकट्ठा होकर पुलिस थाना कोलारस में शिकायती आवेदन दिया हैं जिसमे आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया जाए आरोपी द्वारा की गई टिप्पणी के विरोध ग्वालियर चंबल समेत राजस्थान मध्यप्रदेश समाज में रोष है आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया जाए मुकदमा दर्ज न होने की स्थिति में सम्पूर्ण मध्यप्रदेश सहित पूरे देश में सड़कों पर उतारने की बात समाज के लोगो ने की हैं

बच्चों को भेड़ चाल का हिस्सा मत बनाईये

आज के दौर में अभिभावकों के अंदर अपने टहनी से नाजुक बच्चों को जल्दी से परिपक्व बनाने की ललक देखी जा रही है। मासूम मन के बच्चें डेढ़ दो साल के हुए नहीं की, डे केयर और नर्सरी में डालने की जल्दी होती है। खासकर कामकाजी महिलाओं के बच्चों से उनका बचपन ही छीन जाता है। माँ की गोद और पिता के प्यार के अधिकारी बच्चों से उनका हक छीन कर ÷टीचर, आया और मैडम के हाथों सौंप दिया जाता है÷। बचपन बच्चों को माँ-बाप के साथ भावनाओं से जुड़ने का समय होता है। माँ का स्पर्श, माँ की बोली, माँ की नज़दीकीयाँ बच्चों में सुरक्षा का भाव उत्पन्न करता है। पहले के ज़माने में बच्चों को छह साल तक आज़ादी से खाने-खेलने का समय दिया जाता था। छठ्ठे साल में पहली कक्षा में दाखिला देकर आराम से स्कूल के हल्के-फुल्के वातावरण में पढ़ने के लिए भेजते थे। न बच्चों को पढ़ाई का टेशन होता था, न माँ-बाप के दिमाग में बच्चों के प्रतिशत लाने की कोई चिंता थी। पास हो जाए उतना काफ़ी था। आजकल के बच्चें के जी कक्षा से ही

प्रतियोगिता का भोग बन जाते है। खाने खेलने की उम्र में एक जंग लड़ने की तैयारी में जुट जाते है। बच्चों को डे केयर या स्कूल में भेजने से पहले माँ बाप को ये देखना चाहिए कि ज्यादा समय के लिए एक जगह पर बैठ सकता है या नहीं और आपके बिना ज्यादा समय बिता पाता है या नहीं। साथ ही बच्चा अपनी जरूरतों के बारे में बता सकता है और दूसरों की बात सुनने समझने में सक्षम है या नहीं इन बातों पर भी ध्यान देना चाहिए।

यह बात सच है कि आज प्रतियोगिता का जमाना है। हर किसी को एक दूसरे से आगे निकलने की, अव्वल आने की चाह है। इस मानसिकता का दबाव बच्चों पर भी पड़ रहा है। वे भी इस भेड़चाल में या तो शामिल हो रहे है या फिर बड़ों द्वारा कराए जा रहे है। आज के दौर के बच्चें रेस के घोड़े बनते जा रहे है। दूसरे छात्रों को अपने से एक-दो अंक अधिक मिलना भी ये बच्चे सहन नहीं कर पाते। जिनके अंक अच्छे नहीं उनका मानसिक संतुलन खोना तो समझ में आता है, परंतु जिनके अंक बहुत अच्छे है उनके साथ ऐसा होना एक ही बात दर्शाता है कि वे अत्यंत दबाव में है। इस दबाव के चलते कुछ बच्चें अवसाद का भोग भी बन जाते है। बच्चे अपने अंदर के गुणों को निखारने की बजाय जब परीक्षा में अच्छे अंक लाने के पीछे भागते है तब इन बच्चों को देखकर थ्री इडियट्स फिल्म का डायलॉग याद आता है कि ÷कामयाब नहीं काबिल बनो, कामयाबी साली झक मार के पीछे आएगी÷ और ये बात शत प्रतिशत सही है। हर बच्चे को उपर वाले ने कोई न कोई हुनर देकर भेजा होता है, ÷बस उसे पहचान कर तराशने की जरूरत होती है÷। भेड़चाल का हिस्सा मत बनाईये बच्चों को आज़ाद गगन में उड़ने दीजिए के जी से लेकर बारहवीं तक की पढ़ाई शांति से करने दीजिए। बच्चों की करियर के लिए उसके आगे की पढ़ाई ही महत्वपूर्ण है। बारहवीं कक्षा के बाद एक लक्ष्य तय करके बच्चों के सामने उस लक्ष्य को पाने के हर दरवाज़े खोल दीजिए। ज़िंदगी ढ़ोने के लिए नहीं जीने के लिए होती है, बच्चों से उनका बचपन मत छीनिए कच्ची कोंपलों को पनपने दीजिए।

नगर परिषद कर्मचारी एवं उसके भाई पर हितग्राहियों ने लगाया रुपये लेने का आरोप

मुख्यमंत्री जनसेवा अभियान के अंतर्गत चल रहे कैम्प में दिया आवेदन

अर्पित गुप्ता उपसम्पादक पुष्पांजली टुडे

दबोह-मुख्यमंत्री जनसेवा अभियान के अंतर्गत नगर की प्रत्येक वार्डों में क्रमानुसार नगर परिषद दबोह के द्वारा शिविर आयोजित किये जा रहे हैं।इसके तहत बुधवार को नगर के वार्ड नं.6 में लगे शिविर में दो अजीब ओ गरीब आवेदन दिए गए है।जिनमे हितग्राहियों ने नगर परिषद में अस्थाई तौर पर लगें कर्मचारी एवं उसके भाई कंग्रिसी नेता पर प्रधानमंत्री आवास योजना की क़िस्त डलवाने के नाम पर पच्चीस हजार(25000)रुपये लेने का आरोप लगाया है।इन हितग्राहियों ने नगर परिषद के शिविर में दिए गए।आवेदनों में अस्थायी कर्मचारी रामकुमार शर्मा उर्फ मुन्ना कुम्हारे एवं उसके भाई कंग्रिसी नेता रामलखन शर्मा पर पच्चीस से तीस हजार रुपये लेने का आरोप लगाया है आवेदक मंसूर खाँ एवं उस्मान खाँ ने शिविर में दिए गए आवेदन में लिखित तौर पर आरोप लगाया है कि मेरे द्वारा आवास का फार्म भरा गया था।जिसकी क़िस्त डालने के लिए रामलखन शर्मा द्वारा तीस हजार(30,000)रुपये की रिश्वत ली गयी थी।जिस पर मेरे द्वारा प्रथम बार बीस हजार(20,000)रुपये एवं दूसरी बार दस हजार(10,000)रुपये रिश्वत दी गयी।रामलखन शर्मा के भाई रामकुमार शर्मा कार्यालय में पदस्थ है इनके पास आवास योजना का विभाग है।आवास योजना की राशि भेजने के लिए रामलखन शर्मा के द्वारा तीस हजार(30,000)रुपये रिश्वत ली गयी थी।यह रिश्वत 2021 में जुलाई में मेरे घर आ कर प्राप्त की गयी थी।उल्लेखनीय है कि नगर परिषद दबोह के कार्यालय में प्रधानमंत्री आवास में भ्रष्टाचार बढ़ता ही जा रहा है जब इस बारे में मुख्यनगर पालिका अधिकारी से बात करने की कोशिश की गयी तो उन्होंने अपना पल्ला झाड़ते हुये कैमरे के सामने आने से मना कर दिया।यहां बता दे कि जब से नगर परिषद में अस्थाई कर्मचारी के रूप में रामकुमार शर्मा लगे हैं तब से इन पर भ्रष्टाचार के आरोप लगते आ रहे है।पर जांच आजतक नही कराई गई हैं।अब देखना होगा कि यह आरोपो पर नगर परिषद अध्यक्ष व उपाध्यक्ष कौनसा कदम उठायें हैं।वैसे यह बार्ड 6 अध्यक्ष की मानी जाती हैं और अभी हाल ही में सबसे अच्छे मतो से जीत कर गई हैं।

नाला निर्माण न होने से मकान की दीवाल हुई धराशाई

मोनू बाथम

गोहद -दाऊजी मंदिर से बाबा कपूर तक बनाया जाने बाला नाला निर्माण न होने से मकान की दीवाल धराशाई हो गई जानकारी अनुसार नाला निर्माण के लिए वर्ष 2021 में 36,26,277 रुपये का टेंडर हुआ जिसमें कुछ दिन बाद काम शुरू कर नाले की सफाई शुरू कर दी गई जिसमें एक दो व्यक्ति के कहने से काम को रोक दिया गया फिर 2022 में काम को चालू कर नाले की खुदाई शुरू कर दी गई फिर एसडीएम के मौखिक आदेश पर काम को रोक दिया गया जिसमें सभी वार्ड 11 के सभी नागरिकों ने आवेदन भी सीएमओ को दिया जिसमें कहा था कि नाले का काम जल्दी चालू करवा दो नहीं तो हमारे मकान गिर सकते हैं आज वार्ड 11 निवासी नत्थू श्रीवास के घर की दीवार गिर गई है आज दिनांक 28,09,2022 एक मकान की दीवार गिर गई है और भी कई मकान गिरने की अवस्था में आ गए वार्ड वासियों का कहना है कि नाले का निर्माण करा दिया जाए नही तो और भी कई मकान गिर सकते हैं

अजब मेहगांव की गजब कहानी मेहगांव में प्रशासन की ही मनमानी- अंकित तोमर

मेहगांव नगरपरिषद का एनएसयूआई ने किया घेराव, सीएमओ ने मौके पर बुलाया पुलिस बल

दैनिक पुष्पांजली टुडे बृजपाल सिंह गुर्जर

मेहगांव - एनएसयूआई के विधानसभा अध्यक्ष अंकित तोमर के नेतृत्व मै आज आधा सैकड़ा एनएसयूआई कार्यकर्ता??ओं ने मेहगांव नगर की सड़कों पर घूम रही पांच सैकड़ा गौवंश की अस्थाई व्यवस्था या गौशाला हेतु कई बार ज्ञापन दिया। परंतु अब तक कार्यवाही न होने पर आज गोवंशो को इकठ्ठा कर मेहगांव नगर परिषद का घेराव कर दिया। एनएसयूआई कार्यकर्ताओं के घेराव को देखते हुए वहां पुलिस बल तैनात कर दिया गया। वहीं नगरपरिषद में ताला बंद कर दिया। मेहगांव

नगर परिषद मै सीएमओ के उपस्थित न होने के कारण, नायाब तहसीलदार आनंद यादव को ज्ञापन दिया। एनएसयूआई अध्यक्ष अंकित तोमर ने बताया कि सडकों पर गौवंश ने इस कदर डेरा जमाया है कि प्रतिदिन 2, 3 दुर्घटनायें नगर में हो रही है। वहीं ट्रैफिक जाम का भी मुख्य कारण बनी हुई है। बात यहाँ तक नही बल्कि प्रतिदिन 4 से 5 गाय एक्सीडेंट में घायल होती है या मर जाती है। जिसकी सुध न तो नगरपरिषद ले रहा है न ही प्रशासन। इसी कारण इन गायों को अस्थाई आश्रय नगरपरिषद में देना चुना है। क्योंकि इस समस्या का परिषद ने अभी तक कोई स्थाई समाधान नहीं निकाला है प्रशासन को जल्द से जल्द गाय सुरक्षा को लेकर ठोस कदम उठाने चाहिए। कई बार प्रशासन को अवगत कराने के बाद भी प्रशासन में नहीं किए किसी भी प्रकार के इंतजाम इस मौके पर परिषद घेराव मै एनएसयूआई कार्यकर्ता रोहित शुक्ला,आशीष शर्मा, विकाश शर्मा,आनंद भदौरिया, संजय खान, पवन राठौर, अंशु भदौरिया,अभिषेक भदौरिया, सूरज पचौरी, अनु त्यागी, सतु, ऋतिक, अभय, विशाल आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

ऑटो चालक अशोक ने इमानदारी का दिया परिचय

अनिल कुशवाह प्रभारी
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी- खबर कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत आने वाले अस्पताल चौराहा से है जहां पर सीटू सडैया नाम के एक व्यक्ति का मोबाइल अस्पताल चौराहे के आसपास कहीं गिर गया था जो कि अशोक राठौर पुत्र पूरन राठौर को अस्पताल के सामने मिल गया जिसे अशोक राठौर तुरंत ही कोतवाली थाना लेकर पहुंचे जहां पर मोबाइल के मालिक सीटू सडैया को बुलाया और कोतवाली थाने में पदस्थ एसआई रामेश्वर शर्मा के सामने मोबाइल मालिक को उसका मोबाइल सुपुत कर दिया गया फोटो चालक अशोक राठौर ने ईमानदारी का परिचय देते हुए शहर के लोगों को मिसाल पेश की है जिससे कि शहर के लोग भी ऐसे ही ईमानदारी का परिचय देते रहे

भगतसिंह का जन्मोत्सव मनाया

पुष्पाजली टुडे

बेंगलुरू- भगत सिंह युवा सेना द्वारा भगत सिंह जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में विजय नगर में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत पूर्व पार्षद हेच रविंद्र ने सरदार भगत सिंह के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उनके बलिदान को याद किया इस अवसर पर मंजूनाथा विद्यालय के विद्यार्थियों में शिक्षण सामग्री वितरित की गई

मुख्यमंत्री जन सेवा अभियान,ककरहटी नगर परिषद के वार्ड क्रमांक 5-6 के शिविर का हुआ आयोजन

पुष्पांजली टुडे

ककरहटी - संपूर्ण मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री जनसेवा अभियान चलाया जा रहा है जिसके तहत् घर घर पहुंच कर शासन की योजनाओं का लोगों तक लाभ पहुंचाया जा रहा है! इसी तारतम्य में पन्ना जिले की नगर परिषद् ककरहटी में भी लगातार शिविर का आयोजन किया जा रहा है! दिनांक 28/9 /2022 को नगर परिषद् के बार्ड क्रमांक 5-6 में भारतीय जनता पार्टी की पार्षद शैफाली सिरोठिया एवं सुनीता बब्लू कोरी की उपस्थिति में शिविर का आयोजन किया गया शिविर में उपस्थित सभी गणमान्य नागरिकों एवं वार्ड वासियों को मध्यप्रदेश शासन की बिभिन्न योजनाओं से अवगत कराया साथ ही सभी परिषद् कर्मचारियों को निर्देशित करते हुए श्रीमती सैफाली सिरोठिया ने कहा की हमारे माननीय मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान जी की बिना किसी भेद भाव के स्पष्ट मंशा है! हर किसी पात्र व्यक्ति को लाभ मिलना चाहिए जिसका वह हकदार है!सिरोठिया ने कहा कोई भी पात्र व्यक्ति छूटना नही चाहिए हर परिवार में जो पात्र हो उन्हे लाभ जरूर मिले इस दोरान प्राप्त हुए कुल 11 आवेदन पत्रो में से 8 का तत्काल निराकरण किया गया।

वन अफसरों की मिलीभगत से साफ हो रहे है कन्हार के जंगल

गौरब शर्मा पुष्पांजली टुडे

मुरैना। ग्रामीणों ने कई बार की शिकायत फिर भी नहीं की गई कार्रवाई जंगल बचे तो पर्यावरण भी बचा रहेगा लेकिन मुरैना जिले के ग्राम कन्हार में वन विभाग की मिलीभगत से वन विभाग की भूमि पर दबंगों द्वारा अवैध रूप से कब्जा किया जा रहा है और वन विभाग हाथ पर हाथ रखे बैठा है फरिस्ट के कन्हार एवं देवरा कालाखेत बीट क्षेत्रों में वन रक्षकों की मिलीभगत से जंगल को उजाड़कर अवैध रूप से कब्जा कर लिया है देवरा की तरह कन्हार एवं कालाखेत मे वन विभाग की जमीन पर किया जा रहा है कब्जा पहाडगढ़ क्षेत्र में धौंधा के देवरा इलाकों में भू माफिया ने इतना जंगल उजाड़ दिया है कि एक हजार एवं पंद्रह सौ की लोगों की बस्ती बस सकती है लगभग 500 बीघा जमीन पर खड़ा जंगल काट दिया गया है देवरा के बाद भू माफियाओं की नजर कालाखेत और कन्हार बीट पर पड़ गई है और वन विभाग की जमीन पर अवैध रूप से कब जा किया जा रहा है जबकि जंगल में खैर की लकड़ी काटना प्रतिबंधित है लेकिन वन विभाग की नजर अभी इन घर की लकड़ी के ऊपर नहीं पड़ी है खैर की लकड़ी का उपयोग कत्था बनाने में उपयोग किया जाता है

इसकी सुरक्षा के लिए कन्हार में वन विभाग की चौकी बनी हुई है और वन विभाग के अफसर चैन

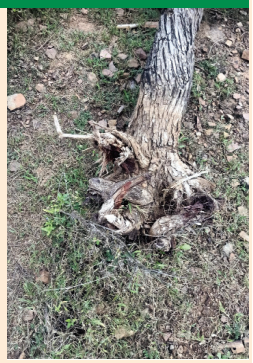

की नींद सोए हुए हैं और भू माफिया वन विभाग की जमीन पर कब्जा कर बैठे हैं

रावण दहन के दहन के बाद निकलेगा चल समारोह,शान्ति समिति की बैठक में हुई विभिन्न मुद्दों पर चर्चा

पुष्पांजलि टुडे की रिपोर्ट
संवाददाता सुनील कुमार अहिरवार

टीकमगढ़। आज शहर के पुलिस कन्ट्रोल रूम में आगामी त्योहारों को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित की गई जिसमें आगामी त्योहारों से संबंधित धर्म के लोग मौजूद रहे आगामी त्योहारों चर्चा की गई जिसमें साफ सफाई बिजली की व्यवस्था को लेकर चर्चा की गई बैठक में मौजूद गणमान्य लोगों द्वारा शहर में बिजली व्यवस्था को लेकर चर्चा की गई और लोगों ने लाइट व्यवस्था करने की बात कही शहर में आवारा पशुओं से शहर वासियों को निजात दिलाई जाए एवं साफ सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने पर भी जोर दिया गया वहीं बिजली विभाग से उपस्थित कर्मचारियों द्वारा बताया गया कि कुछ कारणों बस की सप्लाई बंद की जाती है ताकि कोई अप्रिय घटना ना हो इसके साथ ही निर्णय लिया गया पूर्व की भांति जिस तरीके से रावण दहन के बाद चल समारोह आयोजित किया जाता था इस बार भी वैसा ही आयोजन किया जाएगा और रावण दहन के बाद चल समारोह आयोजित होगा साथ ही समितियों द्वारा प्रशासन से अनुरोध किया गया कि कोई भी प्रशासनिक अधिकारी पंडाल में जाकर किसी को बाध्य ना करें कि वह मूर्ति दिन में ही विसर्जन करे और समिति के लोग अपनी इच्छा अनुसार रात्रि के समय अगर मूर्ति विसर्जन करना चाहते हैं उनसे किसी प्रकार की व्यवस्था की जाए बैठक के दौरान एडिशनल एसपी सीताराम द्वारा कहा गया कि शहर में हर त्यौहार शांति व सौहार्द के साथ मनाया जाता है और इस बार भी उनके द्वारा अपेछा की गई है इस शहर के लोग शांति व्यवस्था को बनाए रखेंगे बाकी जो भी प्रशासन की मदद होगी उसके लिए प्रशासनिक अधिकारी उनके लिए तत्पर रहेंगे और प्रशासन का लोग भी सहयोग करें और शहर का शांति और सौहार्द का माहौल बनाए रखें इस दौरान बैठक में मौजूद एस डी एम सी पी पटेल, एसडीओपी बीडी त्रिपाठी, यातायात प्रभारी पूर्णिमा मिश्रा, बिजली विभाग के एसडीओ शुभम त्यागी ,नगर पालिका के अधिकारी बीके चतुर्वेदी, राजकुमार सोनी, अब्दुल रज्जाक अंजुमन सदर, हाफिज सलामत उल्ला बैग ,धुर्व पार्षद, बृज किशोर तिवारी पार्षद, अनीश खान पार्ष,द अजय अज्जू गाड़े, जाहिद खान पार्षद, सहित काफी संख्या में गणमान्य नागरिक मौजूद रहे

तीन हॉस्पिटलों के रजिस्ट्रेशन किए रद्द ,17 को थमाए नोटिस

फायर और इलेक्ट्रिक ऑडिट के दौरान मिली थी खामियां

रिपोर्ट-प्रतिश अग्रवाल
पुष्पांजलि टुडे

फायर और इलेक्ट्रिक ऑडिट के दौरान जिले में संचालित ज्यादातर अस्पताल की आव्यवस्थाएं सामने आ गई है। स्वास्थ भिभाग के घेरे में 17 हॉस्पिटल आ गए है,हालाकि 3 का रजिस्ट्रेशन रद्द कर दिया गया है। वही इन सभी को नोटिस भी थमा दिए गए है।जिले में झोला छाप डॉक्टरों की क्लिनिक भी निशाने पर है।इनकी जांच पड़ताल शुरू की जा रही है।जांच के लिए एक दल का गठन किया गया है जो सभी ब्लॉक में संचालित फर्जी क्लिनिको को देखेगा। कलेक्टर फ्रैंक नोबल ए ने सीएमएचओ राजकुमार ऋषिवर को जांच के दिशा निर्देश दिए थे। स्वास्थ विभाग ने मधुसुदनगढ़ स्थित देव कृपा हॉस्पिटल,कुंभराज के कृष्णा हॉस्पिटल और गुना के एमएस केयर हॉस्पिटल का रजिस्ट्रेशन रद्द कर दिया है।कलेक्टर द्वारा गठित समिति ने जब निरीक्षण किया तो तीनों हॉस्पिटलों के पास फायर ऑडिट और इलेक्ट्रिक ऑडिट की एनओसी नही मिली।

फन डांस एकेडमी ने किया गरबा आयोजन

जबलपुर। फन डांस एकेडमी द्वारा विशाल गरबा का आयोजन किया गया. जहां सर्व प्रथम माता रानी की पूजन अर्चन कर माता की ज्योति जलाकर गरबा का शुभारंभ किया गया. वंदना गुप्ता ने बताया कि प्रति वर्ष अनुसार इस वर्ष भी हमारी एकेडमी द्वारा गरबे का आयोजन सिसोदिया पैलेस कंचन विहार विजय नगर में किया गया. एकेडमी के छात्र छात्राओं ने अपनी एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियां दी प्रतिभागी विभिन्न वेशभूषा में आए सभी लोगों ने माता रानी का गरबा खेला आयोजन एकेडमी ने विभिन्न वेशभूषा बेस्ट डांस बच्चों का डांस पर प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरित किए. मुख्य अतिथि अर्चना सिसोदिया पार्षद रही. विशिष्ट अतिथि मोहनी तिवारी ने प्रतिभागियों को पुरस्कार बांटे. मंच का संचालन राम किशोर सोनी ने किया जज के रूप में कुमारी रुचि केशरवानी रही. गरबा में पूनम जैन वैशाली रावत अमिता अग्रवाल मुस्कान रेखा वर्षा आदि लोग मौजूद रहीं

विंध्य हर्बल प्रसंस्करण केंद्र के दैवेभो को नियमित करने ज्ञापन सौंपा

भोपाल। मध्यप्रदेश कर्मचारी मंच ने आज विंध्य हर्बल प्रसंस्करण केंद्र बरखेड़ा पठानी भोपाल के सीईओ डॉ. दिलीप कुमार आईएफएस को विंध्य हर्बल प्रसंस्करण केंद्र में कार्यरत दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों को स्थायी कर्मी बनाते हुए छठवें वेतनमान का लाभ देने तथा नियमित करने का ज्ञापन सौंपा। विंध्य हर्बल प्रसंस्करण केंद्र के सीईओ डॉ. दिलीप कुमार ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया कि विंध्य हर्बल प्रसंस्करण केंद्र में कार्यरत दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों को भी शीघ्र ही स्थायी कर्मी बनाते हुए नियमित वेतनमान का लाभ शासन के आदेशानुसार दिया जाएगा।

विश्वरंग 2022 के अंतर्गत शहर से गांव कस्बों तक पुस्तक यात्रा का अनूठा आयोजन

पुस्तक यात्रा का शिवपुरी में आगमन

अनिल कुशवाह प्रभारी
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी-आधुनिक संचार माध्यमों की तमाम चुनौतियों के बीच जनता को किताबों की दुनिया से लौट आने का एक विशाल अभियान विश्व रंग पुस्तक यात्रा की शक्ल ले रहा है रविंद्र नाथ टैगोर विश्व कला एवं संस्कृति केंद्र तथा वनमाली सृजन पीठ की पहल पर भोपाल बिलासपुर खंडवा वैशाली और हजारीबाग में एक साथ 10 पुस्तक यात्राएं शहरों कस्बों गांवों से गुजरते हुए स्थानीय लोगों से पुस्तक संस्कृति से जोड़ने का आह्वान करेंगे

यह विराट गतिविधि आजादी के अमृत महोत्सव एवं पुस्तक संस्कृति को समर्पित है तथा इसी दृष्टिकोण के साथ स्थानीय पाठक और लेखकों को जोड़ने की उत्सवी पहल होगी इस रचनात्मक अभियान में सैकड़ों स्थानीय कला साहित्य संस्कृति की सहयोगी संस्थाओं का सहयोग प्राप्त हो रहा है वृहद स्तर पर आयोजित हो रही इस विश्व रंग पुस्तक यात्रा दिनांक 27 सितंबर 2022 मंगलवार को शिवपुरी पहुंची , यात्रा के आगमन पर आयोजित कार्यक्रम के परिपेक्ष में स्थानीय कंप्यूटर कौशल विकास केंद्र पीवीटीजी सेंटर शिवपुरी में संस्था के छात्र छात्राओं के लिए स्वरचित कविता पाठ कहानी पाठ तथा चित्र कला प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गई विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत भी किया गया इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में मध्य प्रदेश पाठ्य पुस्तक निगम के उपाध्यक्ष श्री प्रहलाद भारती उपस्थित रहे श्री भारती ने पुस्तक यात्रा का स्वागत करते हुए कहा कि आज पुस्तक संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए विश्वरंग और रविंद्र नाथ टैगोर विश्वविद्यालय का यह प्रयास सराहनीय है श्री भारती ने कहा की आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना पूर्व राष्ट्रपति डॉक्टर एपीजे अब्दुल कलाम का सपना

है जिसे हमें पूरा करना है डॉ कलाम साहब जीवन भर पुस्तकों से युवाओं से और विद्यार्थियों से जुड़े रहे। श्री भारती ने आगे कहा कि युवा अपना कौशल विकसित करें अच्छी किताबों को अपना मित्र बनाएं और अच्छा रोजगार हासिल करें दूसरों को रोजगार देने के लिए स्वरोजगार को भी अपनाएं।कार्यक्रम में जिला संयोजक आदिम जाति कल्याण विभाग शिवपुरी से श्री महावीर जैन भी उपस्थित रहे कार्यक्रम का शुभारंभ प्रह्लाद भारती एवं महावीर जी जैन के द्वारा दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती पूजन के साथ कार्यक्रम की विधिवत शुरुआत की आईसेक्ट के क्षेत्रीय प्रबंधक राजीव चौबे जी द्वारा पुस्तक यात्रा का उद्देश्य एवं गतिविधियों के बारे में विस्तार से बताया आईसेक्ट के प्रतिनिधि अमित शुक्ला द्वारा कार्यक्रम का संचालन किया गया कार्यक्रम में पुस्तक यात्रा में सहयोगी आईसेक्ट आरएनटीयू विश्वविद्यालय के प्रतिनिधि डॉ मुकेश धाकड़ ने भी पुस्तक यात्रा पर अपने वक्तव्य दिए पुस्तक यात्रा के उपलक्ष पर आयोजित सांस्कृतिक गतिविधियों मैं भा ग ले चुके प्रशिक्षणार्थियों को पुरस्कृत भी किया गया साथ ही कार्यक्रम में आईटीआई से 3 शिक्षकों को भी सम्मानित किया गया

कार्यक्रम के दूसरी श्रंखला में साहित्यिक संगोष्ठी का आयोजन भी किया गया जिसमें शिवपुरी जिले जिले के साहित्यकार संजय श्रीवास्तव राजकुमार श्रीवास्तव अखलाक खान एवं डॉ मुकेश अनुरागी उपस्थित रहे आमंत्रित साहित्यकारों द्वारा अपनी रचनाओं का वाचन कार्यक्रम में किया जिससे सभी उपस्थित प्रशिक्षणार्थी एवं श्रोता मंत्रमुग्ध होते देखकर तालियों की गड़गड़ाहट करते नजर आए राजकुमार श्रीवास्तव की सरस्वती वंदना हो या अखलाक खान की गजल, संजय श्रीवास्तव की हास्य एवं व्यंगात्मक रचनाएं हो या मुकेश अनुरागी जी की समाज मैं व्याप्त रीतीयु के विलुप्त होने पर कुठारा घात करने वाली कविता, सभी रचनाओं ने सभी श्रोताओं का मन मोह लिया काव्य संगोष्ठी के उपरांत इन साहित्यकारों का पुस्तक यात्रा मंच पर आइसेक्ट की ओर से सम्मान किया गया सम्मान स्वरूप उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट किए गए कार्यक्रम का संचालन अखलाक खान द्वारा किया गया आभार आईसेक्ट शिवपुरी कि ओर से अजय श्रीवास्तव द्वारा किया गया कार्यक्रम में पीवीटीजी के सेंटर मैनेजर अनिल अहिरवार एवम कृष्णकांत शर्मा का विशेष सहयोग रहा

शहर विकास के लिए सभी एकजुट होकर प्रयास करें : ऊर्जा मंत्री श्री तोमर

ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने वार्ड-14 में 95 लाख रूपये से अधिक के विकास कार्यों का किया भूमि पूजन

महापौर डॉ. शोभा सिकरवार एवं सभापति श्री मनोज तोमर की मौजूदगी में हुआ भूमिपूजन

ग्वालियर। ग्वालियर शहर के सुनियोजित विकास में केन्द्र एवं राज्य सरकार का भरपूर सहयोग मिल रहा है। शहर को विकास की नई-नई सौगातें मिल रही हैं। हाल ही में एलीवेटेड रोड एवं आईएसबीटी बस स्टेंड का भूमि पूजन हुआ है। जल्द ही नए एयर टर्मिनल व रेलवे स्टेशन के विस्तार व सौंदर्यीकरण की सौगात भी शहर को मिलेगी। उन्होंने इस अवसर पर सभी से शहर के लिये एकजुट होने का आह्वान किया। साथ ही कहा कि हम सब मिल-जुलकर ऐसे प्रयास करें, जिससे ग्वालियर विकास के मामले में पूरे प्रदेश में अव्वल शहर के रूप में स्थापित हो। इस आशय के विचार प्रदेश सरकार के ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने सेवा नगर पार्क में नाला निर्माण एंव संजीवनी क्लीनिक के भूमि पूजन के अवसर पर व्यक्त किए। कार्यक्रम में महापौर डॉ. शोभा सतीश सिकरवार एवं नगर निगम सभापति श्री मनोज तोमर भी मौजूद थे।

मंत्री श्री तोमर ने शहर के वार्ड-14 के अंतर्गत सेवा नगर पार्क में आयोजित हुए कार्यक्रम में सेवा नगर नूरगंज से गायत्री नगर पुलिया ख्वाजा नगर तक 78 लाख 59 हजार रूपये की लागत से बनने जा रहे नाला निर्माण और लगभग 16 लाख 73 हजार रूपये की लागत से बनने वाले संजीवनी क्लीनिक का भूमि पूजन किया। उन्होंने इस अवसर पर कहा कि संजीवनी क्लीनिक खुल जाने से छोटी-छोटी बीमारियों के इलाज के लिये स्थानीय निवासियों को सिविल अस्पताल य अन्य जगहों पर नहीं जाना पडेगा। संजीवनी क्लीनिक पर कई प्रकार की जांचे निःशुल्क होंगी। साथ ही कहा कि नाला नहीं होने से इस क्षेत्र में बरसात के समय जल भराव की समस्या बनी रहती थी। नाला निर्माण का कार्य पूर्ण होने के बाद जल भराव की समस्या से निजात मिलेगी। श्री तोमर ने इस अवसर पर भरोसा दिलाया कि फूलबाग से किलागेट तक सड़क निर्माण का कार्य भी तेजी से कराया जाएगा।

इस अवसर पर महापौर डॉ. शोभा सतीश सिकरवार ने कहा कि शहर विकास के लिये हम दलगत राजनीति से उठकर कार्य करेगें। शहर को साफ, स्वच्छ व सुंदर बनाने के लिये सभी का सहयोग जरूरी है।

नगर निगम सभापति श्री मनोज तोमर ने ऊर्जा मंत्री श्री तोमर की कार्यशैली की प्रंशसा करते हुए कहा कि उनके द्वारा शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, सीवर व विद्युत के क्षेत्र में अतुलनीय कार्य किये जा रहे हैं। उन्होंने भरोसा जताया कि बरसात के कारण खराब हुई सडकों को दीपावली से पहले दुरूस्त कर लिया जाएगा।

इस अवसर पर एमआईसी सदस्य श्री अवधेश कौरव, पार्षद श्री अंजना हरीबाबू शिवहरे, श्री दिनेश सिकरवार, श्री ओमप्रकाश नामदेव व श्री विकास गिरी सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण एवं क्षेत्रीय गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

ग्वालियर में टोमेटो फीवर ने दी दस्तक, जेएएच में आ रहे हैं रोज 5 से 6 बच्चे

सावधानी की जरुरत

ग्वालियर। अंचल में अभी डेंगू और वायरल फीवर से स्वास्थ्य विभाग का अमला निपट नहीं पाया था कि इसी बीच अंचल खासकर ग्वालियर शहर में अब टोमेटो फीवर ने दस्तक दे दी है. ग्वालियर के जयारोग्य चिकित्सालय के पीडियाट्रिक विभाग की ओपीडी में आने वाले बच्चों में रोज 5 से 6 बच्चे इस बीमारी से पीड़ित मिल रहे हैं. एक्सपर्ट का कहना है कि 6 साल पहले इस बीमारी के कुछ मामले सामने आए थे, लेकिन इस बार यह बीमारी तेजी से फैल रही है. ओपीडी में आने वाले बच्चों में से कई बच्चे टोमेटो फीवर के आ रहे हैं।

जानें कहां अटैक करती है ये बिमारी

ग्वालियर के जयारोग्य अस्पताल समूह के पीडियाट्रिक यानी बच्चों के वार्ड में इन दिनों एक ऐसी अनजानी बीमारी का प्रकोप बच्चों में दिखाई दे रहा है. जिसमें ओपीडी में आने वाले बच्चों में से कई मामले टोमेटो फीवर के पहुंच रहे हैं. इस बीमारी में टमाटर जैसे लाल चकत्ते होने के कारण इसे टोमेटो फीवर सामान्य भाषा में टोमेटो फीवर यानी बुखार कहा जाता है. टोमेटो फीवर को एचएफएमडी यानी हैंड फुट माउथ डिजीज कहा जाता है, क्योंकि यह शरीर के हाथ, पैर, सीने, जबान पर ही अटैक करती है. यह बीमारी एंटीरोवायरस कॉक्ससेसेरी वायरस से होती है।

टोमेटो फीवर के लक्षण

पीडियाट्रिक विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ अजय गौड़ का कहना है कि सामान्य तौर पर इसके जो लक्षण हैं, उसमें बुखार, सिर दर्द, उत्तेजना महसूस करना, गले में खराश, कमजोरी भूख की कमी, जीभ-गाल के अंदर छाले निकलना, दर्द होना आदि टोमेटो फीवर के प्रमुख लक्षण हैं. इसके अलावा नितंबों, पैरों के तलवों और कभी-कभी हथेलियों पर दाने निकल आते हैं. सामान्य तौर पर इन लक्षणों को देखने में 3 से 6 दिनों का समय लगता है. बच्चों में इस बीमारी से पहले बुखार आ सकता है. माता-पिता अगर यह सावधानी बरतें तो इस बीमारी से बचा जा सकता है. अगर बच्चे को बुखार आता है तो उसे घर पर ही रखें. जब तक बुखार उतर ना जाए।

सावधानी का रखें खास ध्यान

अगर बुखार के साथ रैशेज यानी धब्बे हैं तो बच्चे को आइसोलेट कर रखा जाए, जब तक कि रैशेज चले ना जाए. बच्चों को साफ सफाई के बारे में भी बताएं. संक्रमित बच्चे के खिलौने कपड़े खाना और दूसरी चीजों पर स्वस्थ बच्चों के साथ शेयर ना करें. साथ ही घर की साफ-सफाई का भी पूरा ध्यान रखा जाए. अगर ज्यादा सावधानी बरती जाए तो लक्षण वाले बच्चों को 7 दिन क्वॉरंटाइन कर देना चाहिए. टोमेटो एक वायरस बीमारी है. जिसमें शरीर पर टमाटर के आकार जैसे फफोले हो जाते हैं. ज्यादातर लक्षणों में बुखार, जोड़ों में दर्द ,थकावट जोड़ों में सूजन और गले में खराश शामिल है।

मरीजों के बेहतर इलाज के लिये डॉक्टर्स की नियुक्ति हमारी प्राथमिकताः डॉ. राकेश चतुर्वेदी

ग्वालियर। मरीजों के बेहतर इलाज के लिये डिस्पेंसरियों में डॉक्टर्स की नियुक्ति हमारी प्राथमिकता रहेगी। साथ ही चाइल्ड केयर यूनिट (एनआईसीयू) पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। यह बात क्षेत्रीय संचालक स्वास्थ्य सेवाएं ग्वालियर एवं चंबल संभाग डॉ राकेश चतुर्वेदी ने कही। उन्होंने अभी हाल ही में क्षेत्रीय संचालक स्वास्थ्य सेवाएं ग्वालियर एवं चंबल संभाग (रीजनल डायरेक्टर हेल्थ सर्विसेज) का पद भार ग्रहण किया है। उन्होंने वार्ता में आगे कहा कि मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं स्वास्थ्य विभाग की हमेशा से प्राथमिकता रही है। इसलिये उनका ध्यान भी मरीजों के लिये बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं पर ही रहेगा। इसके लिये डिस्पेंसरियों में रिक्त पदों पर डॉक्टर्स की नियुक्ति, लेबर रूम डिलेवरी पॉइंट पर सुविधाएं,अस्पताल में साफ-सफाई, आदि बातों पर बल दिया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

जिला रोजगार कार्यालय में प्लेसमेंट ड्राइव आज

ग्वालियर। आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के तहत जिला रोजगार कार्यालय में 29 सितम्बर को प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया गया है। इस दिन यह प्लेसमेंट ड्राइव यहाँ रेडीमेड गारमेंट पार्क परिसर गदाईपुरा मुरैना लिंक रोड़ में स्थित जिला रोजगार कार्यालय में प्रातः 11 बजे से शुरू होगी। उप संचालक जिला रोजगार कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार एएसएम हुंडई मोटर्स ग्वालियर द्वारा सर्विस एडवाइजर, कम्प्यूटर ऑपरेटर, टैली ऑपरेटर, कस्टूमर रिलेशनशिप एक्जीक्यूटिव, सेल्स एक्जीक्यूटिव एवं बॉडी शॉप इंचार्ज प्यून की भर्ती की जायेगी। बीई बीटेक मेकेनिकल स्नातक से लेकर कम्प्यूटर ज्ञान रखने वाले 10वीं व 12वीं कक्षा परीक्षा उत्तीर्ण 18 से 28 आयु वर्ग के युवा इस भर्ती में भाग ले सकते हैं। इसी तरह एयरटेल पेमेंट बैंक ग्वालियर द्वारा मार्केटिंग एक्जीक्यूटिव और श्रीराम फॉर्च्यून सोल्यूशन लिमिटेड ग्वालियर द्वारा बिजनेस डवलपमेंट मैनेजर की भर्ती की जायेगी। एयरटेल कंपनी में भर्ती के लिये 18 से 30 वर्ष और श्रीराम फॉर्च्यून में 21 से 40 वर्ष आयु वर्ग के अभ्यर्थी पात्र होंगे। इन तीनों कंपनियों में चयनित होने वाले अभ्यर्थियों को आरंभ में 8 हजार से लेकर 16 हजार रूपए तक वेतन देय होगा। निजी कंपनी में नौकरी करने के इच्छुक युवा अपना रोजगार पंजीयन क्रमांक, शैक्षणिक योग्यता से संबंधित प्रमाण-पत्र व बायोडाटा के साथ उपस्थित होकर इस भर्ती में भाग ले सकते हैं। विस्तृत जानकारी के लिये जिला रोजगार कार्यालय में संपर्क किया जा सकता है।

बड़ेरा से धुईंया तक सड़क निर्माण के लिये 5.41 करोड़ मंजूर

राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार श्री कुशवाह के प्रयासों से मिली है स्वीकृति

ग्वालियर। ग्वालियर ग्रामीण विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में स्थित बड़ेरा से धुईया तक साढ़े चार किलोमीटर लम्बी पक्की सड़क बनेगी। उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री भारत सिंह कुशवाह की पहल पर इस सड़क के निर्माण के लिये राज्य शासन द्वारा लगभग 5 करोड़ 41 लाख रूपए की राशि मंजूर कर दी गई है। भोपाल में लोक निर्माण विभाग के प्रमुख सचिव की अध्यक्षता में आयोजित हुई स्थायी वित्तीय समिति की बैठक में ग्वालियर जिले की इस सड़क के निर्माण के लिये प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है।

सूदखोरों से परेशान युवक ने लगाई फांसी

लोग रुपए मांगने रोज घर आ रहे थे, विवाद से परेशान होकर पत्नी मायके चली गई थी

ग्वालियर। ग्वालियर में सूदखोरों की प्रताड़ना से तंग आकर एक युवक ने जान दे दी। युवक नशे का आदी था, इस कारण उस पर काफी कर्ज हो गया था। रोज-रोज के झगड़े से परेशान होकर पत्नी छोड़कर मायके चली गई। ब्याज और पैसा वसूलने सूदखोर घर के चक्कर काटने लगे। इन सबसे परेशान होकर युवक ने मंगलवार रात फांसी लगा ली। घटना माधौगंज की है। पुलिस ने शव को निगरानी में लेकर पोस्टमार्टम कराया है। शहर के माधौगंज थाना क्षेत्र के भोसले साहब के बाड़े में रहने वाले अरविंद कुमार के 30 वर्षीय बेटे मोहित मिश्रा ने सूदखोरों से परेशान होकर अपने घर के कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। बताया जा रहा है की मृतक मोहित ने ब्याज से रुपए ले रखे थे, जिन्हें वापस करने के लिए सूदखोर लगातार घर आकर पैसे लौटाने का दबाव बना रहे थे। इस कारण वह डिप्रेशन में चला गया था। बताया गया है कि एक दिन पहले भी मोहित के घर आकर सूदखोरों ने हंगामा कर अभद्र भाषा का प्रयोग किया था। पता चला है कि मृतक मोहित ऑनलाइन घरों पर राशन डिलीवरी करने का ऑर्डर लेता था। जानकारी के मुताबिक मोहित की शादी 3 साल पहले भिंड में रहने वाली रंजना से हुई थी, लेकिन मोहित की शराब की लत के चलते 6 महीने पहले ही उसकी पत्नी रंजना छोड़ कर चली गई थी। साथ ही उसने कुछ रकम सूदखोरों से ब्याज पर उठाई थी, जिसे लौटाने के लिए सूदखोर उसे आए दिन परेशान कर रहे थे, जिसके चलते उसने बीती रात यह कदम उठाया। मृतक के मामा रविंद्र मोहन त्रिपाठी ने बताया कि फोन पर सूचना मिली थी कि मोहित ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। उसने कुछ लोगों से पैसे उधार लिए थे। पैसे वापस करने के लिए कर्जदार उस पर दबाव बना रहे थे। कहीं भी बेइज्जत करते थे। उसकी मौत के जिम्मेदार यह सूदखोर हैं।

सर्व के सहयोग से सुखमय संसार : आदर्श दीदी

सर्व के सहयोग से सुखमय संसार विषय पर कार्यक्रम आयोजित

ग्वालियर। आज़ादी के अमृत महोत्सव से स्वर्णिम भारत की ओर, ÷दया एवं करुणा के लिए आध्यात्मिक सशक्तिकरण÷ थीम के अंतर्गत प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय की सहयोगी संस्था राजयोग एजुकेशन एंड रिसर्च फाउंडेशन के समाज सेवा प्रभाग द्वारा ÷सर्व के सहयोग से सुखमय संसार विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से पूर्व महापौर श्रीमती समीक्षा गुप्ता, ब्रह्माकुमारीज़ लश्कर ग्वालियर की मुख्य इंचार्ज ब्रह्माकुमारी आदर्श दीदी , श्रीमती राखी गेंद्रा, श्रीमती शकुंतला सेठ,श्रीमती साधना खांगट,श्रीमती रचना छिरोलिया और ब्रह्माकुमार प्रहलाद भाई उपस्थित रहे। तत्पश्चात ब्रह्माकुमारी आदर्श दीदी ने कहा कि नवरात्रि में चारों तरफ देवियों का गायन पूजन होता है,नारी शक्ति की बड़ी महिमा गाई हुई है उसी प्रकार आज की नारी को भी अगर अपनी शक्तियों का ज्ञान हो जाए तो वह सिर्फ परिवार को ही नहीं इस समाज को और इस विश्व को सुखमय बना सकती है।,,,, पूर्व महापौर श्रीमती समीक्षा गुप्ता ने कहा कि अगर आज के विषय को ध्यान में रखा जाए तो कहना चाहूंगी कि जिस प्रकार सभी लोग नो दिन भक्ति पाठ पूजा में लीन हो जाते हैं। अगर इसी तरह दिनचर्या में ईश्वर के लिए समय निकालें तो सोच अपने आप बदल जाती है। आजादी का अमृत महोत्सव तो हर कोई मना रहा है परंतु अपने आप को आध्यात्मिक से जोड़ना बेहद जरूरी है।

जो लोग कष्टों में भी प्रसन्न रहते हैं, उनके कष्ट ज्यादा दिन के नहीं होतेः मुनिश्री

ग्वालियर। कुछ लोग हमेशा ही परेशानी का रोना रोते रहते हैं, जब भी बात करो बस यही जवाब मिलता है कि, ÷बहुत परेशान हूं।÷ असल में कुछ लोगों की आदत ही बन जाती है रोना रोने की। अरे यदि परेशानी भी आये तो उसे अपने धैर्य की परीक्षा मानकर स्वीकार करो। जब सुख हमेशा नहीं टिक पाता तो परेशानियां भी कुछ समय की ही हैं। बस उस समय तुम्हें धैर्य रखकर समझदारी से जीवन जीना होगा। जो लोग कष्टों में भी प्रसन्न रहते हैं, उनके कष्ट ज्यादा दिन के नहीं होते। अपनी परेशानियों का वर्णन हर किसी के सामने मत करो। क्योंकि हमेशा परेशान रहने वाले व्यक्ति से लोग दूरी बना लेते हैं। यह बात श्रमण मुनिश्री विनय सागर महाराज ने आज बुधवार को गुड़गुड़ी का नाक पर धर्मसभा को संबोधित करते हुए कही। मुनिश्री ने कहा कि लोग मंदिरों में भी या तो सेठजी बनकर जाते हैं, या फिर कुछ मांगने के लिए जाते हैं। अरे अहंकार की चादर मंदिर के बाहर ही उतार कर जाओ। सेठ नहीं सेवक बन कर जाओ। भिखारी नहीं भक्त बनकर जाओ। क्योकि वहां तीन लोक के नाथ के दर्शन करने के लिए गए हो।

अपैरल इंक्यूवेशन सेंटर का लोकार्पण एवं जिला स्तरीय रोजगार दिवस का आयोजन आज

मुख्यमंत्री श्री चौहान बुधनी में आयोजित प्रदेशव्यापी कार्यक्रम से करेंगे ई-लोकार्पण

ग्वालियर में जिला स्तरीय कार्यक्रम में सांसद श्री शेजवलकर एवं जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती दुर्गेश जाटव होंगीं शामिल

ग्वालियर। जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र ग्वालियर के नवनिर्मित अपैरल इंक्यूवेशन सेंटर का लोकार्पण एवं जिला स्तरीय रोजगार दिवस कार्यक्रम का आयोजन 29 सितम्बर को होगा। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान सीहोर जिले के बुधनी में आयोजित प्रदेशव्यापी कार्यक्रम के जरिए ग्वालियर के अपैरल इंक्यूवेशन सेंटर का भी ई-लोकार्पण करेंगे। ग्वालियर में यहाँ सीपी कॉलोनी में लैदर फैक्ट्री के समीप नवनिर्मित अपैरल इंक्यूवेशन सेंटर परिसर में आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम में एलईडी स्क्रीन पर प्रदेशव्यापी कार्यक्रम का लाईव प्रसारण भी होगा।

जिला स्तरीय कार्यक्रम में सांसद श्री विवेक नारायण शेजवलकर एवं जिला पंचायत की अध्यक्ष श्रीमती दुर्गेश कुँवर सिंह जाटव बतौर विशिष्ट अतिथि शामिल होंगीं। जिला उद्योग केन्द्र के महाप्रबंधक से प्राप्त जानकारी के अनुसार इस अवसर पर अतिथियों द्वारा हितग्राहियों को स्वयं का रोजगार स्थापित करने के लिये विभिन्न बैंकों के माध्यम से ऋण अनुदान स्वीकृति व वितरण के प्रमाण-पत्र वितरित किए जायेंगे।

बुजुर्ग को बातों में उलझाया और उतरवा ले गए गहने

महिला बोलीं- दो ठगों ने रास्ता पूछा, कब कहने उतरवा लिए, पता नहीं चला

ग्वालियर। ग्वालियर में बेटे को खाना देने जा रही बुजुर्ग महिला को दो ठग सम्मोहित कर सोने के टॉप्स और अंगूठी उतरवा ले गए। ठगों में से एक ने पहले महिला से पता पूछा, फिर दूसरे की मदद करने का बहाना बनाया। इस दौरान वह सड़क से महिला को हनुमान चौराहा के पास तक ले आए। यहां क्या हुआ महिला को कुछ याद नहीं है। जब महिला की चेतना लौटी, तो उसके कान के टॉप्स नहीं थे।

इसके बाद महिला 30 मिनट तक वहीं रोती रही। परिजन को सूचना दी, फिर जनकगंज थाने पहुंची। घटनास्थल के पास एक जगह सीसीटीवी कैमरे में दोनों ठगों के फुटेज मिल गए हैं। अब पुलिस इसी फुटेज के आधार पर ठगों की तलाश कर रही है।

शहर के जनकगंज स्थित छत्री बाजार निवासी 60 वर्षीय पुष्पा जैन पत्नी सुरेश चंद्र जैन घर से बेटे को उसकी दुकान पर खाना देने जा रही थी। अभी वह छत्री मंदिर के पास पहुंची ही थी, तभी दो युवक दिखाई दिए। एक युवक दूसरे युवक से मदद मांग रहा था और दूसरा युवक मदद नहीं कर रहा था। जब बुजुर्ग महिला उसके पास पहुंची, तो दूसरे युवक ने कहा कि माताजी यह मदद मांग रहा है और अगर आप कहें तो मैं इसकी मदद कर दूं। इस पर पुष्पा देवी ने मदद करने को कहा तो युवक ने महिला के थैले में 100 रुपए डाल दिए और पुष्पा देवी से कहा कि अगर आप कह रही हैं तो वह उसकी मदद करेगा, लेकिन उन्हें थैले में से रुपए निकालकर देने होंगे। महिला ने थैले में से रुपए निकालकर उनको दे दिए। एक युवक देते ही मदद मांगने वाले युवक ने उनसे रेलवे स्टेशन जाने का रास्ता पूछा और बातों में उलझाकर हनुमान चौराहे तक ले आया। यहां उन्होंने ने महिला को सम्मोहित कर दिया और महिला के कान से सोने के टॉप्स व अंगूठी उतरवा ली और भाग गए।

सम्मोहन टूटा तो ठगी का पता लगा

ठगों के वहां से भागने के कुछ देर बाद जब सम्मोहन टूटा तो महिला होश में आई। महिला ने देखा कि उसके गहने चोरी हो चुके हैं। इस पर वह रोने लगी। करीब 30 मिनट तक वह वहां रोती रही और फिर परिजन के पास पहुंची और मामले की शिकायत की। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच की तो दो जगह आरोपियों के फुटेज मिले हैं। पुलिस ने फुटेज के आधार पर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

मालगाड़ी का इंजन फेल, घंटों देरी से आई ट्रेनें

आगरा-ग्वालियर के बीच अप ट्रैक पर देरी से चलीं कई ट्रेनें, यात्री हुए परेशान

ग्वालियर। आगरा से ग्वालियर आ रही मालगाड़ी का इंजन अप ट्रैक पर देर रात फेल हो गया। घटना धौलपुर रेलवे स्टेशन निकलते ही हुई है। ट्रैक पर मालगाड़ी पसरी होने के चलते पीछे आ रही दिल्ली से भोपाल जाने वाली एक दर्जन ट्रेनों की चाल बिगड़ गई। लंबी दूरी की कई ट्रेनें घंटों देरी से चली हैं। इन ट्रेनों में यात्रा कर रहे यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा है।

तीन घंटे बाद ही दूसरा इंजन मौके पर भेजने व मालगाड़ी को रवाना करने के बाद ही अप ट्रैक पर ट्रेनों की आवाजाहीं शुरु हो सकी। रूट बाधित होने के कारण रात से बुधवार दोपहर तक आगरा से आने वाली तमिलनाडु, राजधानी, गीता जंयती एक्सप्रेस सहित एक दर्जन से अधिक ट्रेनों को मनिया, जाजौ, भाण्डई व आगरा स्टेशनों पर रोके रखा गया था।

डिप्टी एसएस कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार दिल्ली से महाराष्ट्र जा रही मालगाड़ी का इंजन धौलपुर स्टेशन निकलने के बाद अचानक खराबी आने के कारण फेल हो गया। ये मालगाड़ी अप रेल ट्रैक पर खड़ी होने के कारण रात में आगरा से ग्वालियर आने वाली एक दर्जन ट्रेनें प्रभावित रहीं। मालगाड़ी का इंजन फेल होने की सूचना मिलते ही ग्वालियर व आगरा से इंजन मौके पर भेजा गया। मालगाड़ी का इंजन फेल होने के कारण मथुरा व आगरा से ग्वालियर की यात्रा करने वाले यात्रियों का यह सफर पांच घंटो से अधिक समय में पूरा हो सका।

यह ट्रेनें आई देरी से

ट्रेनों की लेटलतीफी का आलम यह रहा कि मालवा, गीताजयंती, सदनं पठाकोट, श्रीराम एक्सप्रेस, दक्षिण एक्सप्रेस सहित अन्य ट्रेनों में सफर कर रहे यात्रियों को मथुरा-ग्वालियर का सफर तय करने में पांच से छह घंटे तक समय लगा। घंटों ट्रेन के चलने का इंतजार करना पड़ा। इस कारण रात में आने वाली ट्रेनें ग्वालियर सुबह पहुंचने से इन ट्रेनों से सफर कर रहे यात्रियों को परेशान होना पड़ा।

रात को बिगड़ी ट्रेनों की चाल दोपहर तक सही हो सकी

रात को मालगाड़ी का इंजल धौलपुर स्टेशन के पास रात 3 बजे फेल होने के बाद बुधवार दोपहर तक ट्रेनों की चाल बिगड़ी रही। एक दर्जन ट्रेनें तो वह थीं जो सीधे प्रभावित थी, लेकिन इससे ज्यादा ट्रेनें बुधवार दोपहर तक अपनी सही रफ्तार पकड़ सकी हैं।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णौपुरम्, एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रित करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनूमान मंदिर के पास, भिण्ड रोड, गोले का मंदिर जिला ग्वालियर, मध्य प्रदेश 474005 से प्रकाशित। संपादक- भरत सिंह चौहान पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार। E-mail : pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, M.: 8269307478